mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-05 अंक-206 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना

28 जुलाई 2025 सोमवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

पांचवें दिन ऋषभ पंत

@ पेज 7

टेनिस प्लेयर राधिका मर्डर, पिता की थ्योरी पर 7 सवाल

गुरुग्राम, (एजेंसी)। गुरुग्राम में टेनिस प्लेयर राधिका यादव की पिता दीपक यादव ने 4 गोलियां मारकर हत्या कर दी। एक गोली कंधे पर और 3 गोलियां उसकी छाती के बराबर पीठ पर लगीं। हत्या के बाद पिता ने कहा कि लोग उसे ताना मारते थे कि बेटी की टेनिस एकेडमी की कमाई खा रहा है। उसने बेटी को एकेडमी बंद करने को कहा था। वह नहीं मानी तो गोली मार दी। गुरुग्राम पुलिस के गले पिता की यह थ्योरी नहीं उतर रही है। राधिका की मां चुप है। पिता के बयान से लेकर मां की चुप्पी तक कई ऐसे सवाल हैं, जो हाई प्रोफाइल बन चुके इस हत्याकांड की वजह को लेकर संदेह पैदा कर रहे हैं। सबसे हैरानी पुलिस को इस बात से है कि इंटरनेशनल लेवल की टेनिस प्लेयर और एक टेनिस एकेडमी चलाने के बावजूद राधिका का कोई सोशल मीडिया अकाउंट क्यों नहीं है? ऐसे में सवाल है कि क्या उससे अकाउंट डिलीट कराए गए? ऐसे ही कई सवाल इस केस को लेकर उठ रहे हैं, जो इस हत्याकांड को पेचीदा बना रहे हैं...

गुजरात महिसागर पुल हादसा- मरने वालों की संख्या 21 हुई

अहमदाबाद, (एजेंसी)। गुजरात के वडोदरा जिले में महिसागर नदी पर बने पुराने पुल के ढहने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 21 हो गई है। शुक्रवार को एक घायल की अस्पताल में मौत हुई। मरने वालों का आंकड़ा 20 हो गया है। एक शख्स की तलाश में टीमें जुटी हैं। वडोदरा कलेक्टर अनिल धमेलिया ने कहा- नदी में गिरे एक टैंकर में सल्फ्यूरिक एसिड भरा था। ऐसे में पता लगाया जा रहा है कि उसमें से कोई रिसाव तो नही है। वहीं पानी सोडा ऐश (सोडियम कार्बोनेट) होने के कारण रेस्क्यू टीम को जलन और खुजली हो रही है। हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हुई है। सीएम भूपेंद्र पटेल ने पुल ढहने के सिलसिले में राज्य के सड़क एवं भवन विभाग के चार इंजीनियरों को निलंबित कर दिया है। हादसे की शुरूआती जांच में पाया गया कि पुल की नींव और जोड़ कमजोर हो चुके थे, जिससे यह हादसा हुआ। जांच समिति 30 दिन में पूरी रिपोर्ट देगी। महिसागर नदी पर बना ब्रिज 9 जुलाई की सुबह टूट गया था। चलते ट्रैफिक के बीच पुल टूट जाने से दो ट्रक, दो कार और एक रिक्शा नदी में गिर गए थे। एक टैंकर टूटे सिरे पर फंस गया था।

शिवसेना विधायक कैश से भरे बैग के साथ दिखे

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के औरंगाबाद पश्चिम से शिवसेना (शिंदे गुट) विधायक और फडणवीस सरकार में कैबिनेट मंत्री संजय शिरसाट का कैश से भरे बैग के साथ वीडियो सामने आया है। उद्धव गुट के शिवसेना सांसद संजय राउत ने शुक्रवार को एक्स पर शिरसाट का वीडियो शेयर किया। इसमें वह एक कमरे में बिस्तर पर बैठकर सिगरेट पी रहे हैं। उनके बगल में पैसों से भरा एक बैग रखा है। कमरे में एक कुत्ता भी दिखा।

हिमाचल में 21 दिन में 91 लोगों की मौत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में 20 जून को मानसून की एंट्री हुई थी। बीते 21 दिन में बारिश से जुड़ी घटनाओं में 91 लोगों की मौत हुई है। इनमें बाढ़, लैंडस्लाइड और सड़क हादसे शामिल हैं। राज्य की 200 से ज्यादा सड़कें बंद हैं। यूपी के कई जिलों में शुक्रवार को बारिश हो रही है। चित्रकूट में मंदाकिनी नदी में शख्स बह गया। वो यहां दर्शन के लिए आया था। वाराणसी के गंगा में बहे व्यक्ति को एनडीआरएफ ने बचाया। यहां गंगा में पानी हर घंटे 2 ष्द्ध बढ़ रहा है। एमपी के शहडोल में खेत में काम कर रहे 13 साल के लड़के पर बिजली गिरी।

कर्नाटक हाईकोर्ट- कन्नड़ अनिवार्य करने पर केंद्र-राज्य को नोटिस

बेंगलुरु, (एजेंसी)। कर्नाटक हाईकोर्ट ने कन्नड़ भाषा की पढ़ाई अनिवार्य करने पर सरकार से जवाब मांगा है। इसके लिए तीन हफ्ते का समय दिया है। अदालत ने राज्य और केंद्र सरकार को नोटिस भी जारी किए हैं। राज्य के सीबीएससी और सीआईएससीई स्कूलों में कन्नड़ की पढ़ाई अनिवार्य करने के खिलाफ 2023 में एक जनहित याचिका दायर हुई थी। कार्यवाहक चीफ जस्टिस वी कामेश्वर राव और जस्टिस सीएम जोशी की बेंच ने शुक्रवार को मामले में सुनवाई करते हुए यह निर्देश दिया। दो साल से ज्यादा समय बीतने के बाद भी सरकार ने मामले में कोई आपत्ति दाखिल दाखिल नहीं की है। इस पर बेंच ने कहा कि अपनी मशीनरी तैयार करें, वरना हम अंतरिम राहत देने पर विचार करेंगे। याचिका में कन्नड़ लैंग्वेज लर्निंग एक्ट- 2015, कन्नड़ लैंग्वेज लर्निंग रूल- 2017 और कर्नाटक एजुकेशनल इंस्टीट्यूट रूल- 2022 को चुनौती दी गई है। पसंद की भाषा चुनने से रोकते हैं कानून याचिका में कहा गया है कि तीनों कानून स्टूडेंट्स को अपनी पसंद की तीन भाषाएं चुनने के अधिकार का उल्लंघन करते हैं। इससे उनके रिजल्ट और भविष्य में रोजगार के अवसरों पर खराब असर पड़ सकता है। साथ ही अन्य भाषाएं पढ़ाने वाले टीचरों की आजीविका भी खतरा में पड़ सकती है। याचिका में हाईकोर्ट के पिछले आदेश का हवाला दिया गया है, जिसमें डिग्री कोर्सेज में कन्नड़ अनिवार्य करने संबंधी आदेश पर रोक लगाई गई थी।

ऑपरेशन सिंदूर पर पहली बार बोले एनएसए डोभाल

चेन्नई, (एजेंसी)। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने शुक्रवार को ऑपरेशन सिंदूर पर पहली बार बयान दिया। उन्होंने कहा कि कई विदेशी मीडिया ने पाकिस्तान के खिलाफ भारत की कार्रवाई पर सवाल उठाए। भारत को नुकसान की खबरें चलाईं। उन्होंने कहा कि विदेश मीडिया कोई भी फोटो या सैटेलाइट इमेज नहीं दिखा पाया। ना यह बता पाया कि नुकसान क्या हुआ। डोभाल ने यह बात शुक्रवार को आईआईटी मद्रास के 62वें दीक्षांत समारोह में कही। वे कहते रहे कि पाकिस्तान ने ये किया, वो किया लेकिन मुझे एक फोटो दिखाइए जिसमें भारत का नुकसान नजर आए। यहां तक कि एक शीशा भी टूटा हो। हमसे कोई चूक नहीं हुई। हम उस पॉइंट तक सटीक थे जहां हमें पता था कि कौन कहां है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकी हमला हुआ था। आतंकियों ने 26 टूरिस्ट्स की हत्या कर दी थी। इसके जवाब में भारत ने 7 मई को पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर और पाकिस्तान में मौजूद 9 आतंकी ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की थी। इस दौरान सेना ने 100 आतंकी मार गिराए थे। दोनों देशों के बीच 10 मई की शाम 5 बजे से सीजफायर पर सहमति बनी थी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया कल के शहरों का निर्माण प्रदर्शनी का उद्घाटन

भोपाल, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर में मध्यप्रदेश ग्रोथ कॉन्क्लेव 2025 अन्तर्गत कल के शहरों का निर्माण थीम पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। प्रदर्शनी में प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में विकास के लिए संचालित विभिन्न प्रोजेक्ट्स के माध्यम से विकसित सुदृढ़ अधोसंरचना, नवाचारों, निवेश प्रोत्साहन नीतियों एवं योजनाओं से संबंधित प्रकल्प प्रदर्शित किए गए। मुख्यमंत्री ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर सराहना की।

प्रदर्शनी में इंदौर विकास प्राधिकरण की अधोसंरचना विकास के लिए अपनाए गए मॉडल जिसमें पीपीपी मोड पर आधारित बहुउद्देशीय स्पोर्ट्स पार्क के निर्माण, एयरपोर्ट के पास कन्वेंशन सेंटर, इंदौर में स्टार्टअप कल्चर को बढ़ावा देने के लिए निर्माणाधीन स्टार्टअप पार्क को प्रकाशित किया गया। प्रदर्शनी में सारे प्रोजेक्ट्स की जानकारी को डिजिटली उपलब्ध कराने के लिए क्यूआर कोड की व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने डिजिटल व्यवस्था देखकर प्रसन्नता व्यक्त की।

कल के शहरों के निर्माण में मेट्रो रेल की भूमिका को दर्शाने वाली प्रदर्शनी में इंदौर मेट्रो रेल परियोजना (येलो लाइन), भोपाल मेट्रो रेल परियोजना (ऑरेंज और ब्लू लाइन), रोलिंग स्टॉक (ट्रेन) देशी तकनीक से निर्मित आधुनिक मेट्रो ट्रेनें, सूचनात्मक पैनल को प्रदर्शित किया गया जिसके माध्यम से कल के शहरों में आवागमन के सशक्त साधन को दिखाया गया है।

राहुल बोले-महाराष्ट्र की तरह बिहार में वोट चुराने की कोशिश

भुवनेश्वर, (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को ओडिशा में कहा- महाराष्ट्र की तरह बिहार में वोट चुराने की कोशिश की जा रही है। इसके लिए इलेक्शन कमीशन ने नई साजिश शुरू की है। वह भाजपा के हिस्से का काम कर रहा है। अपना काम नहीं कर रहा है। राहुल ने आगे कहा- महाराष्ट्र में लोकसभा और विधानसभा के बीच में 1 करोड़ नए वोटर आ गए। आज तक पता नहीं चल पाया

कि ये वोटर्स कहां से आए। हमने इलेक्शन कमीशन से कई बार कहा कि आप हमें वोटर लिस्ट, वीडियोग्राफी दीजिए। उन्होंने नहीं दिया। हम इलेक्शन कमीशन और भाजपा को बिहार का चुनाव चोरी नहीं करने देंगे।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ओडिशा में भाजपा सरकार बनने के बाद पहली बार दौरे पर पहुंचे हैं। इस दौरान उन्होंने भुवनेश्वर में आयोजित होने वाली संविधान बचाओ समावेश% सभा को संबोधित किया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, महासचिव (संगठन) के. सी. वेणुगोपाल भी उनके साथ मौजूद रहे।

एक देश एक चुनाव पर जेपीसी की बैठक जारी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। एक देश-एक चुनाव के लिए 129वें संशोधन बिल पर जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी की बैठक संसद भवन में चल रही है। आज की मीटिंग में पूर्व चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस जगदीश सिंह खेहर कमेटी के सामने सुझाव देंगे। बैठक में शामिल होने कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी, भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर, संबित पात्रा समेत जेपीसी के अन्य सदस्य पहुंचे हैं। संसद में पेश हुए 129वें संविधान संशोधन बिल पर चर्चा करने और सुझाव लेने के लिए पूर्व केंद्रीय मंत्री पीपी चौधरी की अध्यक्षता वाली 39

सदस्यीय जेपीसी बनाई गई है। जेपीसी का काम बिल पर व्यापक विचार-विमर्श करना, विभिन्न पक्षकारों और विशेषज्ञों से चर्चा करना और अपनी सिफारिशें सरकार को देना है।

भागवत बोले- 75 की उम्र में रिटायर हो जाना चाहिए

नागपुर, (एजेंसी)। भागवत ने 9 जुलाई को रामजन्मभूमि आंदोलन के प्रेरक दिवंगत मोरोपंत पिंगले पर लिखी पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम में ये बातें कहीं थीं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि 75 साल की उम्र के बाद नेताओं को रिटायरमेंट ले लेनी चाहिए। भागवत ने कहा, जब आपको 75 साल पूरे होने पर शॉल ओढ़ाई जाती है तो समझिए कि दूसरों का मौका देने का समय आ गया है। आपको किनारे हो जाना चाहिए भागवत ने ये बातें 9 जुलाई को रामजन्मभूमि आंदोलन के प्रेरक दिवंगत मोरोपंत पिंगले पर लिखी पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम में कहीं। मोदी और भागवत, दोनों इस साल सितंबर में 75 साल के हो जाएंगे। भागवत के इस

बयान के बाद विपक्षी पार्टियां इसे प्रधानमंत्री से जोड़ रहे हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, बेचारे पुरस्कार जीवी प्रधानमंत्री! यह कैसी घर वापसी है। लौटते ही सरसंघचालक ने उन्हें याद दिलाया कि 17 सितंबर, 2025 को वे 75 साल के हो जाएंगे। जयराम रमेश ने आगे लिखा, प्रधानमंत्री भी सरसंघचालक से कह सकते हैं कि वे भी 11 सितंबर, 2025 को 75 साल के हो जाएंगे।

मुजफ्फरनगर में कांवड़ियों का हंगामा, राहगीर को पीटा

वाराणसी, (एजेंसी)। आज सावन का पहला दिन है। काशी विश्वनाथ मंदिर में सुबह से ही भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। भीड़ इतनी है कि सिर्फ 1 सेकेंड के लिए ही भक्तों को बाबा के दर्शन मिल रहे हैं। कमिश्नर एस. राजलिंगम ने श्रद्धालुओं पर फूल बरसाए। बाबा विश्वनाथ मंदिर का ड्रोन वीडियो सामने आया है, जिसमें बाबा का भव्य दरबार दिखाई दे रहा है। मंदिर प्रशासन ने पूरे सावन भर काशी विश्वनाथ में वीआईपी दर्शन पर रोक लगा दी है। वहीं, गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर में सीएम योगी ने हवन-पूजन के साथ रुद्राभिषेक किया। अयोध्या, लखनऊ और प्रयागराज के शिव मंदिरों में भी भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। हर-हर महादेव के जयकारों से मंदिर परिसर गूंजते रहे। मेरठ में मुस्लिम कारीगर ने ऑपरेशन सिंदूर की थीम पर कांवड़ बनाई।

पटना नगर निगम बोर्ड की मीटिंग में फटे कुर्ते

पटना, (एजेंसी)। पटना नगर निगम के पार्षदों की मीटिंग में आज जमकर हंगामा हुआ। पार्षदों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि वे आपस में भिड़ गए और हाथापाई करने लगे। इस दौरान कई पार्षदों के कुर्ते भी फट गए। हंगामे की वजह से मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। विवाद के बीच नगर निगम की मेयर सीता साहू भी मौजूद थीं, उन्होंने पार्षदों को शांत कराने की कोशिश की, लेकिन वो मानने को तैयार नहीं थे। बिहार में हो रहे वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन को लेकर राहुल गांधी ने एक बार फिर चुनाव आयोग पर फिर सवाल उठाए हैं। शुक्रवार को उन्होंने भुवनेश्वर में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा- चुनाव आयोग ने नई साजिश की है। चुनाव आयोग भाजपा का काम कर रहा है।

पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने बिहार पुलिस तंज कसा है। उन्होंने एक्स पर लिखा- एनडीए के खगड़िया सांसद के कुत्ता को खोज निकालने के लिए बिहार पुलिस को पूरा देश सलाम करता है। मैं पूरी जिम्मेदारी से प्रधानमंत्री से आग्रह करता हूं कि वह बिहार पुलिस को भारत रत्न से सम्मानित करें। बिहार में कायम रखने के लिए भी बिहार पुलिस को सर्वोच्च सम्मान दिया जाना चाहिए। दरअसल, भागलपुर की इशाकचक थाना की पुलिस ने खगड़िया सांसद राजेश वर्मा के खोए हुए कुत्ते को 2 दिनों में ढूंढ निकाला। राजेश वर्मा का कुत्ता 2 दिन पहले उनके भागलपुर के खरमनचक वाले आवास से निकलकर भाग गया था। काफी खोजबीन के बाद भी कुत्ते का कुछ पता नहीं चल पाया था। इस बारे में सांसद की ओर से स्थानीय जोगसर थाना की पुलिस को कुत्ते के खो जाने की जानकारी दी गई थी।

शुभांशु शुक्ला 14 जुलाई को धरती पर लौटेंगे

टेक्सास, (एजेंसी)। भारतीय एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला 14 जुलाई को धरती पर लौटेंगे। अमेरिकी स्पेस ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। एक्सियम-4 मिशन के तहत शुभांशु सहित चार क्रू सदस्य इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पहुंचे थे। एक्सियम मिशन को 25 जून को फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च किया गया था। ड्रैगन अंतरिक्ष यान 28 घंटे की यात्रा के बाद 26 जून को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर डॉक किया गया था। हालांकि, यह मिशन 14 दिनों का था।

अब एस्ट्रोनॉट की वापसी चार दिन देरी से होगी। इससे पहले 6 जुलाई को शुभांशु के आईएसएस स्टेशन से कुछ तस्वीरें सामने आईं थीं। जिसमें शुभांशु कपोला मॉड्यूल के विंडो से पृथ्वी देखते नजर आ रहे थे।

थप्पड़कांड के आरोपी नरेश मीणा को हाईकोर्ट से जमानत

जयपुर, (एजेंसी)। देवली-उनियारा उपचुनाव-2024 में उपखंड अधिकारी को थप्पड़ मारने वाला नरेश मीणा जेल से बाहर आएगा। शुक्रवार सुबह राजस्थान हाईकोर्ट ने थप्पड़कांड के बाद हुई आगजनी के मामले में जमानत दी है। मीणा को थप्पड़ मारने के केस में पहले ही जमानत मिल चुकी है। हालांकि, नरेश मीणा के शुक्रवार को जेल से बाहर आने की संभावना कम है। इधर, नरेश को जमानत मिलने के बाद कोर्ट रूम के बाहर उनके वकील भावुक हो गए। दरअसल, 13 नवंबर 2024 को टोंक के समरावता गांव में निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा ने एसडीएम अमित चौधरी को थप्पड़ मार दिया था। इसके बाद समरावता सहित कई इलाकों में आगजनी और तोड़फोड़ कर घटना हुई थी। नरेश मीणा के वकील फतेहराम मीणा ने बताया कि इससे पहले इसी मामले में नरेश मीणा की दो जमानत याचिकाएं हाईकोर्ट से खारिज हो चुकी हैं। हाईकोर्ट ने 14 फरवरी को पहली और 30 मई को दूसरी जमानत याचिका को खारिज कर दिया था। लेकिन आज जस्टिस प्रवीर भटनागर की अदालत ने नरेश मीणा की तीसरी जमानत याचिका को स्वीकार करते हुए उसे जमानत दे दी।

वेटरनरी ग्राउंड में फायरिंग के बाद छात्रों का प्रदर्शन

पटना, (एजेंसी)। पटना के वेटरनरी ग्राउंड में गुरुवार की देर शाम खेलने के दौरान मारपीट और फायरिंग की घटना हुई। इस घटना में स्टूडेंट मयंक की हाथ में गोली लगी है, जिसका इलाज चल रहा है। शुक्रवार को इस मामले को लेकर वेटरनरी कॉलेज के स्टूडेंट्स का गुस्सा देखने को मिला। सुबह से कॉलेज कैंपस में प्रदर्शन हो रहा है। घटना एयरपोर्ट थाना क्षेत्र की है। बताया जा रहा है कि 2 दिन पहले भी गोली चलाने वाले शख्स से विवाद हुआ था। प्रदर्शन कर रहे छात्राओं ने

बताया कि कैंपस में किसी तरह की सुरक्षा व्यवस्था नहीं है। दिन में ही कई बार छेड़खानी की घटना हुई है। शिकायत करने के बावजूद भी कोई कार्रवाई नहीं होती है। कैंपस में सीसीटीवी कैमरे भी नहीं हैं। चार दिनों पहले कार्तिक नामक युवक ने देख लेने की धमकी दी थी। गुरुवार को छात्र शिवम और प्रिंस को टारगेट कर ट्रेनर ने फायरिंग की थी। मयंक को गोली लगने के बाद सहयोगी छात्र मौके पर पहुंचे और उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया। यहां उनका इलाज चल रहा है।

मुश्किल की घड़ी में हर वक्त मैं जनता के साथ, हर जरूरत में सेवा के लिए तत्पर हूं -मंत्री राजपूत

मीडिया ऑडीटर, भोपाल, (एजेंसी)। बारिश का मौसम जहां कई लोगों के लिए सुकून लेकर आता है, वहीं गरीब तबके और झोपड़ी व कच्चे मकानों में रहने वाले परिवारों के लिए यह तकलीफ का कारण भी बन जाता है। ऐसे ही समय में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने सागर जिले के बेरखेड़ी गांव के लोहगढ़िया मोहल्ले में तिरपाल वितरित किए, जिससे बारिश से उनके घरों की सुरक्षा हो सके और वे सुरक्षित रह सकें। मंत्री राजपूत ने कहा कि सुरखी विधानसभा मेरा परिवार है और परिवार के हर नागरिक की सुरक्षा मेरी जिम्मेदारी है। चाहे कितनी भी व्यस्तता हो, मैं हर वक्त आपके साथ खड़ा हूं। उन्होंने कहा कि लोहगढ़िया समाज ने भारतीय इतिहास में उल्लेखनीय योगदान दिया है और उनके त्याग और संघर्ष को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि क्षेत्र के विकास और जरूरतमंदों की मदद के लिए वे सदैव तत्पर हैं। खाद्य मंत्री राजपूत ने सुरखी विधानसभा क्षेत्र के समग्र विकास का खाका भी प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि ग्रामीण अंचलों में पक्की सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है, नल-जल योजना के माध्यम से हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुँचाया जा रहा है और बिजली व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए नए ट्रांसफार्मर लगाए जा रहे हैं।

शिवपुरी नगरपालिका के निलंबित उपयंत्री एवं सहायक यंत्री पर एफआईआर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल, (एजेंसी)। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के निर्देश पर नगरपालिका शिवपुरी के उपयंत्री एवं सहायक यंत्री के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। नगरीय प्रशासन आयुक्त संकेत भोंडवे ने बताया कि उपयंत्री एवं सहायक यंत्री के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करवाई गई है। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक जांच में शिकायत को सही पाया गया। कोतवाली पुलिस ने पटवारी रवि प्रकाश लोधी की शिकायत पर नगरपालिका के उपयंत्री जितेंद्र परिहार, सहायक यंत्री सतीश निगम और ठेकेदार अर्पित शर्मा के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया। शिवपुरी कलेक्टर रविंद्र कुमार चौधरी ने प्राप्त शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई करते हुए एडीएम शिवपुरी और नगरपालिका सीएमओ की टीमों से भौतिक सत्यापन कराया गया।

'सरकारी' और 'प्राइवेट' यूनिवर्सिटी में पीएचडी की फीस अलग-अलग, 60 प्रतिशत सीटें खाली

मीडिया ऑडीटर, भोपाल, (एजेंसी)। मध्य प्रदेश की सरकारी यूनिवर्सिटी में पीएचडी करने की चाहत रखने वाले छात्रों के लिए राह आसान नहीं रही। बीयू जैसे बड़े संस्थान ने पीएचडी में प्रवेश के लिए केवल नेट स्कोर को ही मान्य कर दिया है, जिससे 60 फीसदी सीटें खाली हैं। दूसरी ओर, प्राइवेट यूनिवर्सिटी अब भी एंट्रेंस एग्जाम और नेट दोनों के आधार पर प्रवेश दे रही हैं।

नतीजा यह है कि छात्र मजबूरी में लाखों रुपए खर्च कर प्राइवेट यूनिवर्सिटी का रुख कर रहे हैं। बीयू में करीब 40 विषयों में पीएचडी के 2,379 सीटें हैं, लेकिन इस साल केवल नेट स्कोर को पात्रता मानने के कारण छात्रों ने आवेदन से दूरी बना ली। विश्वविद्यालय की प्रवेश प्रक्रिया में 70 प्रतिशत वेटेज नेट स्कोर और 30 प्रतिशत इंटरव्यू को दिया गया है। यूजीसी के नियमों के अनुसार, नेट स्कोर केवल एक साल के लिए वैध होता है, जिससे हर साल हजारों छात्र इसकी पात्रता से बाहर हो जाएंगे। बीयू में बिना नेट स्कोर के छात्रों के लिए कोई विकल्प नहीं छोड़ा गया है।

जनजातीय वर्ग के सर्वांगीण विकास के लिए सरकार है संकल्पित-उप मुख्यमंत्री देवड़ा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल, (एजेंसी)। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि महानगर और शहर ही नहीं बल्कि जनजातीय क्षेत्रों के संर्वागीण विकास के लिए डॉ. मोहन यादव की सरकार कृत-संकल्पित है। उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को स्वच्छ पानी मिले, आवागमन बेहतर हो, बिजली की निर्बाध आपूर्ति हो और आम जनमानस बुनियादी सुविधाओं में कोई कमी न आए, इसके लिए हमारी सरकार दिन-प्रतिदिन काम कर रही है। यह बात उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने शनिवार को अपने निवास कार्यालय में मण्डला जिले के ब्लॉक बिछिया की निर्वाचित वार्ड पंच एवं सरपंच महिलाओं को संबोधित करते हुए कही। ब्लॉक बिछिया की जनजातीय वर्ग की महिलाओं प्रतिनिधियों ने उप मुख्यमंत्री देवड़ा को अपना परिचय दिया और विभिन्न विषयों पर चर्चा की। उप मुख्यमंत्री देवड़ा से बिछिया विकासखंड से आईं निर्वाचित महिला वार्ड पंच और सरपंचों के महिला

प्रतिनिधियों द्वारा अपने गांवों की जमीनी जानकारियों को उनके समक्ष रखा। महिला प्रतिनिधियों ने बताया कि वे कान्हा नेशनल पार्क के आस-पास के क्षेत्र से आती हैं, जहाँ विस्थापन की बार-बार उठती आशंकाओं ने लोगों में डर का माहौल बना दिया है। उन्होंने कहा कि हम अपने गांव नहीं छोड़ना चाहते। उप मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि विस्थापन को लेकर ऐसा कोई मसौदा फिलहाल नहीं है और आपको और क्षेत्रवासियों को बिलकुल भी घबराने और चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। संवाद के दौरान महिला प्रतिनिधियों ने जंगलों में फैल रही लेंटाना जैसी आक्रामक झाड़ी की समस्या को भी उठाया। उन्होंने बताया कि लेंटाना जहां एक ओर अन्य वनस्पतियों को समाप्त कर रहा है, वहीं दूसरी ओर यह जंगली जानवरों के गांवों की ओर बढ़ते हमलों और जंगल उत्पादों पर निर्भर आमदनी में गिरावट भी हो रही है। उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने उनकी इस समस्या को गंभीरता से सुना शीघ्र निराकरण के लिये अधिकारियों को निर्देशित किया। जनजातीय महिला प्रतिनिधियों से मुलाकात के दौरान श्री देवड़ा ने भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि वे स्वयं एक छोटे किसान के पुत्र हैं और आज इन महिला नेताओं को देखकर उन्हें अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत के दिन याद आ गए। इस आत्मीय संवाद के अंत में महिला प्रतिनिधियों ने उन्हें मंडला में माँ नर्मदा के दर्शन और सभी के साथ एक दिन की चर्चा के लिए मण्डला प्रवास के लिये आमंत्रण भी दिया।

एफपीओ को सीधे बाजार से जोड़ने के लिये बायर-सेलर मीट वर्कशॉप में आए महत्वपूर्ण सुझाव

मीडिया ऑडीटर, भोपाल, (एजेंसी)। कनेक्टिंग फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गेनाइजेशन को बाजार से जोड़ने के उद्देश्य से टू डायरेक्ट मार्केट विषय पर बायर-सेलर मीट का आयोजन किया गया। मध्यप्रदेश इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन, स्पाइसेस बोर्ड, डिजिटल ग्रीन ट्रस्ट और वॉलमार्ट की संयुक्त कार्यशाला का उद्देश्य प्रदेश के एफपीओ को सीधे बाजार से जोड़ते हुए उन्हें निर्यात संभावनाओं तक पहुंच दिलाना है। कार्यशाला में स्पाइसेस बोर्ड ऑफ इंडिया के निदेशक (विपणन) बी.एन. झा ने कहा कि यह बायर-सेलर मीट वैश्विक खरीदारों और भारत के उत्कृष्ट मसाला उत्पादकों को जोड़ने का एक महत्वपूर्ण मंच है, जो अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देने के साथ भारतीय मसालों की विरासत को संरक्षित करने में भी सहायक है। डिजिटल ग्रीन ट्रस्ट की सीईओ श्रीमती निधि भसीन ने कहा कि डिजिटल उपकरण एफपीओ की कार्यप्रणाली को एक नई दिशा दे रहे हैं। डेटा आधारित निर्णय, एआई-सक्षम सहयोग, पारदर्शिता और बेहतर योजना के माध्यम से एफपीओ अधिक सशक्त बन रहे हैं और डिजिटल साक्षरता के चलते वे अब खुद ही खरीदारों और प्रदाताओं से जुड़ने में सक्षम हो रहे हैं। कार्यशाला में प्रदेश के 50 से अधिक एफपीओ और एनजीओ प्रतिनिधियों के साथ 30 से अधिक प्रमुख सरकारी विभागों, वित्तीय संस्थाओं और कृषि अनुसंधान संस्थानों के विशेषज्ञों ने भागीदारी की। कार्यशाला ने एफपीओ को बीज, उर्वरक, जैव-इनपुट और कृषि यंत्र निर्माताओं जैसे विश्वसनीय इनपुट प्रदाताओं तथा प्रोसेसर, निर्यातक और व्यापारियों जैसे आउटपुट खरीदारों से सीधे जुड़ने का अवसर प्रदान किया। कार्यशाला में एफपीओ को बाजार से जोड़ने में आरआई, सीबीबीओ और संगठनों की भूमिका विषय पर पैनल चर्चा भी हुई। संचालन डॉ. एस.एस.पी. ज्योति ने किया। पैनल में श्रीकांत मोहंता (सृजन), आशीष जायसवाल (स्पाइसेस बोर्ड इंडिया), प्रवीण शर्मा (अशोक एंड शक्ति एग्रीटेक), शुभम गुप्ता (एमपीआईडीसी), पुष्पेन्द्र यादव (प्लॉगमैन एग्रो प्रा. लि.), कमल जायसवाल (रिलायंस फाउंडेशन) और चिन्तन मेघवंशी (एक्सेस डेवलपमेंट सर्विसेज) शामिल रहे।

नगर निगम में दूर होगी 'अधिकारियों' और 'कर्मचारियों' की कमी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल, (एजेंसी)। एमपी के भोपाल शहर को मेट्रोपॉलिटन रीजन बनाने के साथ ही नगर निगम का सेटअप भी बदल जाएगा। नगर निगम में मौजूद विभागों में फिलहाल सब इंजीनियर और सुपरिटेंडेंट इंजीनियर के भरोसे चलने वाली व्यवस्था में 11 नए एग्जीक्यूटिव इंजीनियर भी शामिल किए जाएंगे। अधिकारियों और कर्मचारियों की कमी से निपटने के लिए बिल्डिंग परमिशन सेल को चार भाग में बांट दिया जाएगा। शहर को चार जोन में बांटकर चार नगर निवेशक नए कंस्ट्रक्शन मंजूरी सहित भौतिक सत्यापन जैसी कार्रवाई करेंगे। 11 एग्जीक्यूटिव इंजीनियर को नगर निगम के सड़क, बिजली, पानी, नाली जैसे विभागों की जिम्मेदारी दी जाएगी। शासन का दावा है कि इससे नगर निगम पावरफुल होगा और कार्रवाई करने में आने वाली अड़चन दूर होंगी। उल्लेखनीय की अभी सब इंजीनियर के भरोसे यह सभी व्यवस्थाएं चल रही हैं। नगर निगम में फिलहाल केवल चार कार्यपालन यंत्री के भरोसे सभी विभाग संचालित हो रहे हैं। सहायक यंत्री के भरोसे चलने वाला नगर

निगम अनेक मामलों में न्यायालय के नोटिस झेल चुका है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल से जारी आदेश भी इंजीनियरिंग व्यवस्था कमजोर होने की वजह से जमीन पर नहीं उतर सके। बड़ा तालाब संरक्षण, अवैध निर्माण रोकने, अतिक्रमण हटाने, सड़क के गड्ढे भरने, बिजली, पानी, नाली जैसे इंतजाम भी निगरानी के अभाव में प्रभावित बने हुए हैं। मध्य प्रदेश शासन नगरीय विकास विभाग ने नगर निगम भोपाल से जुड़े 11 सहायक यांत्रियों को एग्जीक्यूटिव इंजीनियर बनने वाले आदेश जारी कर दिए हैं।

सरकारी स्कूलों में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिये राज्य सरकार वचनबद्ध

मीडिया ऑडीटर, भोपाल, (एजेंसी)। स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि राज्य सरकार सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिये वचनबद्ध है। इसी उद्देश्य को लेकर स्कूल शिक्षा विभाग लगातार कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सांदीपनी विद्यालयों की संख्या में लगातार वृद्धि की जा रही है। इन विद्यालयों ने न केवल प्रदेश में बल्कि देशभर में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। स्कूल शिक्षा मंत्री सिंह शुक्रवार को नरसिंहपुर जिले के साईखेड़ा ब्लॉक के ग्राम बम्होरीकला में निःशुल्क साईकिल वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। मंत्री सिंह ने कहा कि बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ आत्मनिर्भर बनाने के भी प्रयास किये जा रहे है। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की इस कमी को भर्ती अभियान से पूरा किया जा रहा है। उन्होंने ग्राम के मंदिर में चबूतरा निर्माण के लिये दो लाख 50 हजार रूपये देने की घोषणा की। मंत्री सिंह ने सेवानिवृत्त प्राचार्य मुमताज खान को उनके द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में दी गई उल्लेखनीय सेवा के लिये सम्मानित किया।

विद्युत उपभोक्ता ऑनलाइन कराएं स्वैच्छिक भार (लोड) वृद्धि

मीडिया ऑडीटर, भोपाल, (एजेंसी)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा बिजली उपभोक्ताओं को घर बैठे अपने बिजली कनेक्शन में भार (लोड) वृद्धि की सुविधा उपलब्ध कराई गयी है। अब उपभोक्ता अपने बिजली कनेक्शन के पूर्व स्वीकृत भार में अपनी वर्तमान आवश्यकता के अनुसार ऑनलाइन आवेदन की सुविधा का लाभ उठाकर भार (लोड) वृद्धि करा सकेंगे। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कहा है कि घरेलू श्रेणी के बिजली उपभोक्ताओं को त्वरित रूप से पारदर्शी और सुविधाजनक सेवाएं प्रदान करने की दिशा में कंपनी द्वारा पहल करते हुए 10 किलोवाट भार तक के घरेलू श्रेणी के उपभोक्ताओं के लिए त्वरित स्वचालित भार वृद्धि की एक नई सुविधा 15 जुलाई से उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराई है। सुविधा के शुरू होने से अब तक 682 उपभोक्ताओं ने ऑनलाइन आवेदन कर अपने बिजली कनेक्शन की भार वृद्धि कराई है। कंपनी ने बताया है कि ऑनलाइन भार वृद्धि की सुविधा के लिए उपभोक्ताओं को किसी फेज परिवर्तन या मीटर प्रतिस्थापन की आवश्यकता नहीं होगी। इस पहल के तहत पात्र उपभोक्ता द्वारा अपने स्वीकृत भार (निर्दिष्ट सीमा के भीतर) में वृद्धि का अनुरोध करने पर उनके उनुरोध को अब बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप या जोन-स्तरीय अनुमोदन के बिना कंपनी द्वारा त्वरित और निर्बाध रूप से स्वीकृत कर भार (लोड) वृद्धि की जा रही है। इस हेतु लगने वाले शुल्क का भुगतान कंपनी द्वारा आगामी देयक में शामिल किया जाएगा। इससे उपभोक्ताओं को अलग से भुगतान करने की आवश्यकता नहीं होगी। इस प्रक्रिया से बिलिंग सिस्टम में स्वचालित रूप से त्वरित भार वृद्धि सुनिश्चित हो रही है, जिससे कंपनी के मानव संसाधन के साथ ही उपभोक्ताओं के समय और श्रम की भी बचत हो रही है। कंपनी के महाप्रबंधक (सूचना प्रौद्योगिकी) अभिषेक मार्तंड ने बताया है कि ऐसे उपभोक्ता जिनके कनेक्शन में भार (लोड) वृद्धि के उपरांत फेस परिवर्तन अथवा मीटर बदलने की आवश्यकता होगी, उनके लिए ये सुविधा लागू नहीं है। गौरतलब है कि विद्युत उपभोक्ता कंपनी द्वारा स्वीकृत विद्युत भार से अधिक भार का उपयोग करते हैं जिससे कम्पनी की विद्युत अधोसंरचना अतिभारित हो जाती है जो कि अनावश्यक रूप से विद्युत व्यवधानों का से अनुरोध है कि वे स्वेच्छा से अपने विद्युत भार की वृद्धि करा लें जिससे कम्पनी द्वारा भार अनुरूप उपयुक्त विद्युत अधोसंरचना का विकास कर बेहतर एवं निर्बाध विद्युत प्रदाय सुनिश्चित किया जा सके। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने सभी सम्मानीय विद्युत उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अपने परिसर के वास्तविक विद्युत भार के अनुरूप अपने कनेक्शन की भार वृद्धि कंपनी के पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर स्वीकृत कराना सुनिश्चित करा लें।

डबरा के नंदू का डेरा से 50 लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थलों पर पहुँचाया

मीडिया ऑडीटर, भोपाल, (एजेंसी)। ग्वालियर जिले में अतिवृष्टि से हुए जल भराव से प्रभावित गाँवों के लोगों के लिये एहतियात बतौर पर्याप्त राहत शिविर स्थापित किए गए हैं। साथ ही जहाँ पर अत्यधिक जल भराव हुआ है वहाँ के लोगों को जिला प्रशासन की टीमों द्वारा एसडीआरएफ की मदद से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। कलेक्टर रुचिका चौहान ने जिले के सभी एसडीएम को जल प्रभावित क्षेत्रों में 24 घंटे नजर रखने और आवश्यकता पड़ने पर लोगों को तत्काल नजदीकी राहत शिविर में आश्रय दिलाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने राहत शिविरों में भोजन, पेयजल व प्राथमिक चिकित्सा के पुख्ता इंतजाम रखने के भी निर्देश दिए। डबरा विकासखंड के ग्राम नंदू का डेरा में अत्यधिक जल भराव होने की सूचना मिलने पर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाने की कार्रवाई की गई।

ग्राम खेड़ीरायमल में भी रेस्क्यू ऑपरेशन कर लोगों को राहत शिविरों में पहुंचाया जा रहा है। एसडीएम दिव्यांशु चौधरी ने बताया कि नंदू का डेरा से एसडीआरएफ की मदद से 50 लोगों को रेस्क्यू किया गया है। इनमें से 23 लोगों को डबरा के कम्युनिटी हॉल व रैन बसेरा में बनाए गए राहत शिविरों में पहुँचाया गया है। ग्राम खेड़ीरायमल के लोगों को एसडीआरएफ की मदद से रेस्क्यू कर ग्राम पंचायत खेड़ी रायमल के पंचायत भवन में बनाए गए राहत शिविर में पहुँचाया गया है।

जिले के मुरार विकासखंड के अंतर्गत ग्राम टिहौली के पीछे स्थित बड़ेरा निवासी 55 वर्षीय प्रीतम सिंह कुशवाह के बैसली नदी पर बने रपटे को पार करते समय पैर फिसलने से बहने की सूचना मिलने पर एसडीएम ग्वालियर ग्रामीण सूर्यकांत त्रिपाठी बचाव टीम के साथ तत्काल मौके पर पहुँचे। एसडीआरएफ की टीम प्रीतम कुशवाह को खोजने में लगी है। एसडीएम त्रिपाठी ने बताया कि मदद के लिये एनडीआरएफ की टीम को भी बुलाया है। उन्होंने बताया कि मुरार विकासखंड के अंतर्गत हस्तिनापुर व बेहट में विशेष राहत शिविर स्थापित किए गए हैं। अन्य स्थलों पर भी एहतियात बतौर राहत शिविर स्थल चिन्हित कर लिए गए हैं।

एसडीएम भितरवार संजीव जैन ने बताया कि भितरवार क्षेत्र में लगातार हो रही वर्षा को ध्यान में रखकर लगातार सतर्कता बरती जा रही है। निचले क्षेत्रों में स्थित जिन पुल-पुलियों पर पानी बढ़ा है उनको बैरीकेट्स लगाकर आवागमन के लिये बंद कर दिया गया है।

दिसंबर तक एमपी के इस शहर में दौड़ेंगी ई-मिडी बसें

मीडिया ऑडीटर, भोपाल, (एजेंसी)। लो फ्लोर बसों की जगह दिसंबर तक शहर में ई-मिडी बसें चलने लगेंगी। ई-मिडी यानी छोटे दूरी के मार्गों के लिए डिजाइन ई-बस में 30 से 35 यात्री बैठ सकते हैं। इन बसों के लिए भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड ने केंद्र एवं राज्य पोषित प्रोजेक्ट के लिए ग्रीन सेल कंपनी का चयन किया है। ग्रीन सेल कंपनी चेतक ब्रिज कस्तूरबा नगर के पास भेल की खाली जमीन पर सेटअप लगा रही है। यहां इन बसों को चार्ज करने एवं मेंटनेंस होगा। दावा है कि पहले फेज में 26 और 21 सीटर वाहन शामिल सड़कों पर उतारे जाएंगे। बीसीएलएल के मुताबिक कंपनी को भारत सरकार 12 साल के लिए आपरेशनल एंड मेंटेनेंस कास्ट भी देगी। इंदौर, भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन और सागर के लिए आवंटित की गई बसों में से 472 बसें मिडी ई-बस (26 सीटर) और 110 मिनी ई-बस (21 सीटर) रहेंगी।

घर-घर जांच, तीन माह का राशन मिला या नहीं

भोपाल। राज्य सरकार ने बारिश को देखते हुए यह सहूलियत दी थी कि उपभोक्ताओं को जून, जुलाई और अगस्त माह का राशन (तीन महीने) एकमुश्त दे दिया जाए। सरकार के निर्देश के बाद पीडीएस दुकानों से राशन बांट दिया गया। लेकिन यह भी शिकायत मिली कि कई दुकानदारों ने पूरा राशन नहीं दिया। इस बात की जानकारी लगने के बाद खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी के अफसरों ने डोर-टू-डोर जांच शुरू कर दी है। अफसर दुकानों के हिसाब से रैंडमली उपभोक्ताओं के घरों पर पहुंचकर सवाल पूछ रहे हैं कि आपको पूरा तीन महीने का राशन मिला या नहीं। इसके तहत शनिवार को खाद्य अधिकारियों ने बीपीएल और पात्रता परिवारों के घर जाकर उनसे तीन महीने का एकमुश्त राशन लेने की जानकारी ली। उपभोक्ताओं से राशन की मात्रा के बारे में भी जानकारी ली जा रही है। जिला आपूर्ति नियंत्रक चंद्रभान सिंह जादौन ने बताया कि जिले के 3 लाख 42 हजार परिवारों के 14 लाख 48 हजार उपभोक्ताओं को पीडीएस का राशन दिया गया है।

खाट पर गर्भवती को ले गए परिजन, डिलीवरी हुई

खराब सड़क के कारण गांव से दो किमी दूर रुक गई थी एम्बुलेंस

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। खराब सड़क के चलते गर्भवती को समय पर अस्पताल नहीं पहुंचाया जा सका। एम्बुलेंस गांव से दो किलोमीटर दूर ही रुक गई। परिजन गर्भवती को खाट पर लिटाकर एम्बुलेंस के लिए निकले, लेकिन रास्ते में ही बच्चे का जन्म हो गया। घटना सेमरिया थाना क्षेत्र के बरिगवां नंबर दो गांव में रविवार सुबह 8.30 बजे की है। यहां रहने वाली प्रीति रावत को प्रसव पीड़ा होने पर एम्बुलेंस बुलाई गई। गांव तक कोई पक्की सड़क नहीं होने के कारण एम्बुलेंस आगे नहीं जा पाई और दो किलोमीटर दूर ही रुक गई।

परिजनों ने प्रीति को खाट पर लिटाया और डोली बनाकर रस्सी-बल्ली के सहारे उठाकर घर से निकल पड़े। एम्बुलेंस तक पहुंचने से पहले ही डिलीवरी हो गई। इसके बाद मां और बच्चे दोनों को एम्बुलेंस से सेमरिया अस्पताल ले जाया गया। दोनों की हालत स्थिर बताई जा रही है।

ग्राम बरिगवां में लगभग 70 लोग रहते हैं। सड़क नहीं होने के कारण बारिश में यहां ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। गांव के बच्चों को स्कूल जाने में नदी पार करना पड़ता है।

समाजसेवी ने घटना को बताया शर्मसार: सीएमएचओ डॉ. बबीता खरे ने बताया, एम्बुलेंस समय पर पहुंची थी, लेकिन सड़क न होने के कारण गांव तक नहीं जा सकी। समाजसेवी प्रभात वर्मा ने इसे शर्मनाक बताया। उन्होंने कहा कि यदि समय पर परिजन मदद न करते तो मां और नवजात की जान खतरे में पड़ सकती थी।

भाजपा सांसद ने कहा था- डेट बताओ, पहले ही उठवा लेंगे: सीधी जिले में खराब सड़क को लेकर 8 गर्भवती महिलाओं के मोर्चा खोलने पर भाजपा सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने जवाब दिया था। उन्होंने इनकी अगुआई कर रही बघेली सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर लीला साहू से कहा था कि हर डिलीवरी की एक्सपेक्टेड डेट होती है। उसके एक हफ्ते पहले ही उठवा लेंगे।

पीडब्ल्यूडी मंत्री ने भी इस मामले पर कहा था कि सोशल मीडिया पर किसी ने एक पोस्ट डाल दी तो क्या हम सड़क बनाने के लिए डंपर लेकर वहां पहुंच जाएंगे। सीमेंट कांक्रीट का प्लांट लेकर पहुंच जाएंगे। ये संभव नहीं है।

डीजल टैंकर पलटा, ड्राइवर घायल; बाल्टी-ड्रम लेकर ईंधन लूटने पहुंचे लोग

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले में मोरवा से जयंत की ओर जा रहा एक तेज रफ्तार डीजल टैंकर मुड़वानी डैम के पास पलट गया। हादसे के बाद स्थानीय लोगों में डीजल लूटने की होड़ मच गई। घटना रविवार सुबह 9.30 बजे की है। लोग बाल्टी, डिब्बे, ड्रम और बोतलें लेकर डीजल भरने के लिए दौड़ पड़े। पुलिस को सूचना मिलने तक 40 हजार लीटर से अधिक डीजल स्थानीय लोग अपने बर्तनों में भरकर ले जा चुके थे। इसके बावजूद 100 से अधिक की संख्या में लोग वहां जमा रहे।

पुलिस ने लोगों को डंडे दिखाकर भगाया: मौके पर पहुंची जयंत चौकी पुलिस ने लोगों को डंडे दिखाकर वहां से खदेड़ा। जयंत चौकी प्रभारी सुधाकर सिंह परिहार ने बताया कि डीजल से भरा यह टैंकर गुजरात से बीना महादेव कंपनी जा रहा था जब यह हादसा हुआ। ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे उपचार के लिए एनसीएल के नेहरू अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उसका इलाज जारी है। मौके पर स्थानीय पुलिस और एनसीएल की सिक्योरिटी टीम ने डीजल भर रहे लोगों को वहां से भगाया।

लोग बोले- ड्राइवर की लापरवाही से हुआ हादसा: एक स्थानीय निवासी सुरेन्द्र कुमार ने बताया कि चालक की लापरवाही से यह हादसा हुआ है। इससे कंपनी को लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। राहगीरों की मदद से घायल ड्राइवर को अस्पताल पहुंचाया गया।

जलप्रपात पर जोखिम लेकर सेल्फी ले रहे लोग, एसडीईआरएफ ने दी चेतावनी

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। बारिश के मौसम में मऊगंज जिले के बहुती जलप्रपात पर सैलानियों की भीड़ लगातार बढ़ रही है। प्राकृतिक सौंदर्य को मोबाइल कैमरे में कैद करने की चाह में कई लोग सुरक्षा मानकों को नजरअंदाज कर रहे हैं। रविवार को एसडीईआरएफ की टीम ने जलप्रपात के किनारे खतरनाक स्थानों पर जाकर सेल्फी ले रहे पर्यटकों को सुरक्षित जगहों पर हटाया। हाल ही में बहुती जलप्रपात में एक देवर-भाभी ने छलांग लगाकर जान दे दी थी। इस घटना के बाद एसडीईआरएफ की टीम यहां शवों की तलाश में पहुंची थी। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान टीम ने देखा कि बड़ी संख्या में लोग रेलिंग पार कर या असुरक्षित चट्टानों पर चढ़कर सेल्फी ले रहे हैं।

पिकनिक मनाने पहुंचे युवाओं में सबसे ज्यादा लापरवाही देखने को मिल रही है। कुछ पर्यटक नशे की हालत में खतरनाक किनारों तक पहुंच जाते हैं। इससे हादसे की आशंका और बढ़ जाती है। चेतावनी बोर्ड होने के बावजूद कई लोग नियमों की अनदेखी कर रहे हैं। प्रयागराज से आए पर्यटक आदिल और अभिषेक नदी की बहाव दिशा में जाकर फोटोशूट कर रहे थे। उन्हें एसडीईआरएफ टीम ने बाहर निकाला और समझाया कि यह लापरवाही जानलेवा हो सकती है।

आदर्श ग्राम खैरा में नवांकुर सखी हरियाली महोत्सव आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद् जिला सीधी के तत्वाधान में सीधी जिले के रामपुर नैकिन जनपद अंतर्गत सेक्टर क्रमांक 4 के आदर्श ग्राम खैरा में नवांकुर सखी हरियाली महोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि शासी निकाय के सदस्य कृष्ण कांत द्विवेदी रहे, अध्यक्षता संभागीय समन्वयक रीवा प्रवीण पाठक तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला समन्वयक शिवदत्त उर्मलिया, ब्लॉक समन्वयक अनिल पाठक, रिटायर्ड विकासखंड शिक्षा अधिकारी नवल किशोर द्विवेदी एवं वरिष्ठ समाजसेवी पंडित गिरिजा प्रसाद शुक्ला, सामाजिक कार्यकर्त्ता बुद्धसेन साहू उपस्थित रहे। प्रारम्भ में भारत माता के समक्ष दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत हुयी। अतिथियों के स्वागत के क्रम में गांव की बालिकाओं द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। नवांकुर समित के अध्यक्ष सत्यनारायण पाण्डेय द्वारा स्वागत भाषण एवं विषय प्रवर्तन किया गया, जिला समन्वयक उर्मलिया ने कार्यक्रम की प्रासंगिकता एवं उपादेयता पर विस्तार से प्रकाश डाला। संभाग समन्वयक प्रवीण

पाठक नें आदर्श ग्राम परिकल्पना के मूल उद्देश्य एवं भावी कार्ययोजना पर सारगर्भित प्रकाश डाला।

मुख्य अतिथि कृष्ण कांत द्विवेदी ने जन अभियान परिषद् की स्थापना से वर्तमान स्वरुप की चर्चा करते हुए भारतीय संस्कृति की वैज्ञानिकता एवं सामाजिक समरसता के साथ विकसित राष्ट्र के परिकल्पना को साकार करने पर बल दिया। विशिष्ट अतिथि श्री द्विवेदी ने सरकार की रीति नीति के सफल आयोजन में ग्रामीण जनों की भूमिका पर बल दिया। श्री शुक्ला ने वृक्ष के आध्यात्मिक, सामाजिक, वैज्ञानिक, और सांस्कृतिक महत्त्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम में नवांकुर सखियों को पौधे बाँटे गए। पौधरोपण महाअभियान के तहत कलश यात्रा निकाली गयी। अंत में आभार प्रदर्शन आशीष त्रिपाठी ने किया, मंच संचालन अवनीन्द्र शुक्ला ने किया।

कार्यक्रम में गांव के गणमान्य नागरिक, मातृ शक्तियां सीएम सीएल डीपी के छात्र छात्राएं, मेंटर जय प्रकाश गोश्वामी, आदर्श शुक्ला रहीश साकेत एवं पंचायत के सभी पदाधिकारी, पत्रकार एवं आम जन उपस्थित रहे।

रात 1 बजे किराना दुकान में चोरी, ठेला लेकर आए बदमाश

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के बैढ़न कोतवाली क्षेत्र के कॉलेज चौराहे के पास एक चाय-पान की दुकान पर चोरी हुई है। शनिवार रात 1:19 बजे दो चोरों ने दुकान से सिगरेट, गुटखा, गैस सिलेंडर और डेढ़ हजार रुपए की चिल्लर चुरा ली। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हुई है, जिसका वीडियो सामने आया है। रविवार को पीड़ित दुकानदार निलेश कुमार गुप्ता ने इसकी लिखित शिकायत कोतवाली थाने में दर्ज करवाई है।

सीसीटीवी में दिखे चोर: सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि रात 1:00 बजे दो चोर ठेला लेकर दुकान के सामने पहुंचे। दुकान में सुरक्षा के लिए कुछ नहीं था, सिर्फ पन्नी लगी हुई थी। चोरों ने पन्नी उठाकर दुकान में प्रवेश किया।

बदमाशों ने 7 मिनट में वारदात को दिया अंजाम: वहां रखे सिगरेट के पैकेट, पान मसाला के पैकेट, काउंटर पर रखी चिल्लर और दो गैस सिलेंडर को आराम से उठाया। सभी सामान एक बोरी में भरा और 7 मिनट 27 सेकेंड तक चोरी की वारदात को अंजाम देने के बाद, चुराया हुआ सामान ठेले पर लादकर फरार हो गए। इस पूरे समय के दौरान बाहर लगे सीसीटीवी में कोई हलचल नहीं दिखी। न ही पुलिस की रात्रिकालीन गश्त की कोई गाड़ी वहां से गुजरी। चोर बेफिक्र होकर अपना काम कर रहे थे। बैढ़न कोतवाली थाना प्रभारी अशोक सिंह परिहार ने बताया कि मामले की शिकायत दर्ज कर ली गई है और चोरों की तलाश की जा रही है।

5 दिन से चोई जंगल में हाथियों का डेरा, गांवों में घुसकर घरों को तोड़ा; खेतों की फसलें कर रहे नष्ट

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। पिछले पांच दिनों से चार हाथियों का समूह जैतहरी इलाके के चोलना बीट के चोई गांव के जंगल में डेरा डाले हुए है। हाथी दिन के समय जंगल में विश्राम करते हैं और शाम होते ही ग्रामीण इलाकों में पहुंच जाते हैं। हाथियों ने कई ग्रामीणों के घरों में तोड़फोड़ की है। फरसू यादव और छोकू के घरों में नुकसान पहुंचाया है। इसके अलावा पूरन राठौर, लाला नापित, रामदीन सिंह और मन्नू सिंह के घरों में भी तोड़फोड़ की है। हाथी घरों में रखे अनाज को भी खा रहे हैं।

नहीं लौटे छत्तीसगढ़: हाथियों का यह समूह बुढार से अनूपपुर होते हुए जैतहरी इलाके में पहुंचा था। सभी को लगा था कि हाथी जल्द ही छत्तीसगढ़ राज्य की ओर बढ़ जाएंगे, लेकिन वे अभी तक वहीं हैं। हाथियों ने लगभग 20 से 22 ग्रामीणों के खेतों और बांडियों में लगी धान और अन्य फसलों को नुकसान पहुंचाया है।

यहां कर रहे विचरण: हाथी चोई के पडमनियाटोला, वन चौकी टोला से धनगवां के पिपरहाटोला, पड़रिया पंचायत के चिकनीटोला, लेगराटोला और कनईटोला में विचरण कर रहे हैं। वन विभाग का गश्ती दल, पुलिस विभाग और ग्रामीणों के सहयोग से हाथियों पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है।

रात में दूर किया फिर सुबह लौट आए: वन परिक्षेत्र अधिकारी जैतहरी विवेक मिश्रा के नेतृत्व में वन विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों और हाथी मित्र दल के प्रशिक्षित सदस्यों की मदद से हाथियों को दूर करने की कोशिश की गई। हाथी कुछ किलोमीटर दूर गए, लेकिन सुबह होते ही वापस चोई के जंगल में लौट आए। ग्रामीण हाथियों के डर से परेशान और भयभीत हैं। वे रात भर जागकर अपने परिवारों को सुरक्षित रखने की कोशिश कर रहे हैं। वन विभाग ने आम लोगों से हाथियों से दूरी बनाए रखने और सतर्क रहने की अपील की है।

केजरीवाल ने मध्यप्रदेश की कमान जितेंद्र सिंह तोमर को सौंपी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद केजरीवाल पार्टी का विस्तार सम्पूर्ण राष्ट्रीय स्तर में कर रहें हैं,

पूर्व में मध्यप्रदेश निकाय चुनाव में मिली सफलता से पार्टी नेतृत्व खासा उत्साहित हैं यहाँ आप के 52 पार्षद कई पंचायत सदस्य व सिंगरौली में महापौर की सीट पर जनता ने आम आदमी पार्टी की उम्मीदवार रानी अग्रवाल को महापौर चुना था। केजरीवाल ने मध्यप्रदेश की कमान पार्टी के वरिष्ठ नेता दिल्ली सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री जितेंद्र सिंह तोमर को सौंपी हैं, तोमर विगत 2 महीनों से लगातार मध्यप्रदेश के दौरे पर हैं उन्होंने ने अपने प्रदेश दौरे को भोपाल संभाग से शुरू किया था इसी कड़ी में प्रदेश प्रभारी तोमर और प्रदेश अध्यक्ष रानी अग्रवाल कार्यकर्ताओ की बैठक लेने रीवा पहुँचे हैं। मीडिया से बात करते हुए जीतेन्द्र सिंह तोमर ने कहा की यह बड़े ही दुर्भाग्य की बात हैं की देश के दिल मध्य प्रदेश को भ्रष्टाचार की जननी कहा जाता हैं यहाँ चारो तरफ भ्रष्टाचार फैला हुआ हैं फिर चाहे वो शिक्षा का छेत्र हो स्वास्थ्य का या फिर रोजगार का, दूसरी तरफ महंगाई सातवे आसमान पर हैं और रोजगार नाम मात्र हैं।

गोपालपुर में टूटा पड़ा रहा बिजली का तार,बार-बार फोन करते रहे ग्रामीण, 3 घंटे बाद पहुंची बिजली कंपनी की मेंटेनेंस टीम

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के रामपुर नैकिन जनपद पंचायत के ग्राम गोपालपुर में बिजली विभाग की लापरवाही से हादसे का खतरा बना रहा। रविवार शाम करीब 4 बजे गांव में एक विद्युत पोल से तार टूटकर जमीन पर गिर गया। इस टूटे तार में करंट था। स्थानीय लोगों ने तुरंत इस खतरे की सूचना बिजली विभाग को दी। ग्रामीण बार-बार बिजली कंपनी को फोन करते रहे। लेकिन, कई घंटे बीत जाने के बावजूद कोई भी कर्मचारी मौके पर नहीं पहुंचा। सूचना के 3 घंटे बाद आखिरकार बिजली विभाग के कर्मचारी पहुंचे। उन्होंने तार को काटकर अलग किया और करंट का खतरा टला।

गांव की निवासी पूजा सिंह ने बताया कि पोल से मुख्य तार टूट गया था। कुछ तार खुले पड़े थे जिनमें तेज करंट था। उन्होंने कहा कि यह स्थिति बेहद खतरनाक थी। कभी भी कोई हादसा हो सकता था। खासकर बच्चों या जानवरों के संपर्क में आने पर जान का खतरा था। उन्होंने बताया कि बिजली विभाग को फोन से कई बार सूचना दी गई। लेकिन स्थिति जस की तस बनी रही। इस संबंध में बिजली विभाग के लाइनमैन श्री राम पटेल ने बताया कि उन्हें जैसे ही जानकारी मिली, संबंधित क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति को बंद कर दिया गया। उन्होंने कहा कि विभाग की टीम को मौके पर रवाना कर दिया गया था। ग्रामीणों ने बिजली विभाग से मांग की है कि इस तरह की घटनाओं पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। ताकि किसी जानमाल का नुकसान न हो। विभाग की लापरवाही से ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है।

अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा ग्राम पंचायतों का किया गया भ्रमण

रिकार्ड संधारण तथा स्वच्छ सर्वे सिटीजन फीड बैक के संबंध में दिए गए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सीधी तथा प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत मझौली श्री धनंजय मिश्रा, अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा जनपद पंचायत मझौली अशोक कुमार माथुर तथा सहायक लेखाधिकारी मनरेगा जनपद पंचायत मझौली प्रदीप मांडले द्वारा ग्राम पंचायत गिजवार, जोड़ोरी, मझिगवां एवं अमहिया का दिनांक 26-7-2025 दिन शनिवार को भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान ग्राम पंचायतों में प्रधानमंत्री आवास योजना एवं मनरेगा योजना के निर्माण कार्यों का स्थल निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान समग्र सीडिंग, ई केवाईसी तथा स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण सिटीजन फीड बैक की प्रगति की समीक्षा की गयी। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के निर्माण कार्यों को शासन द्वारा निर्धारित समय सीमा में पूर्ण कराने, मनरेगा योजना के अंतर्गत पूर्व वर्षो के प्रगतिरत कार्यों को पूर्ण कराने, निर्माण स्थलों पर सूचना बोर्ड लगवाने, 7 रजिस्टर संधारित करने तथा

निर्माण कार्यों की विधिवत नस्ती संधारित करने हेतु निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त उक्त सभी ग्राम पंचायतों के विधवा पेंशन की हितग्राहियो से जानकारी प्राप्त की गयी। साथ ही मनरेगा योजना के अंतर्गत एक बगिया माँ के नाम परियोजना के संबंध मे विस्तृत जानकारी देते हुए पात्र हितग्राहियों का चयन करते हुए शासन द्वारा निर्धारित समय सीमा मे कार्यवाही के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त प्रति दिवस ग्राम पंचायत खोलने तथा प्रति सोमवार तथा गुरुवार को अनिवार्य रूप से मुख्यालय मे उपस्थित रहने हेतु निर्देशित किया गया।

अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत द्वारा भ्रमण के दौरान पूर्व माध्यमिक विद्यालय गिजवार तथा हायर सेकेण्डरी गिजवार का आकस्मिक निरिक्षण किया गया एवं बच्चो से शैक्षणिक प्रगति की जानकारी ली गयी।

संपादकीय

रेलवे ने डी डी क्यू ई एल का सफल परीक्षण किया

भारतीय रेलवे नए तकनीकों को अपना कर विकाश के पथ पर निरंतर नया अध्याय लिख रहा है। जो भारत के अलावे दुनिया के कई देशों मे चर्चा का विषय बना हुआ है। आजकल भारत में निंमित रेल इंजन की कई देशों माँग हो रही है। वही रेलवे अपने पारम्म पारिक तकनीकी से सुधार व अनुसंसाधन कर कार्य प्रणाली को विकसित करने में लगातार प्रयासरत है। इसी श्रंखला में विगत वर्ष एक पायलट प्रोजक्ट के तहत रेलवे ने डायरेट ड्राइव क्यूसन मेक इलेक्ट्रोनिक इन्टरलाकिंग(ई एल) सिस्टम को अपनी ट्रैफिक व्यवस्था व सुरक्षा प्रणाली को लेकर परीक्षण के तौर स्थापित किया गया है। यह प्रणाली फिलहाल पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के ताजपुर स्टेशन व उतर रेलवे के जम्मु मंडल के दीनानगर देश की पहली सफल परीक्षण किया है। आपको बता दूँ कि यह नई व्यवस्था रेलवे के यातायात संचालन व सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता को विशेष रूप सें ध्यान में रख कर बनाये गए है। इस संदर्भ में पश्चिम रेलवे के रतलाम डिवीजन के आर एस मीणा,वरिष्ट मंडल सिगनल एव दूरसंचार अभियन्ता के अनुसार पुराने पैनल इंटरलॉकिंग सिस्टम को हटाकर नए इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम लगाए जा रहे हैं। हमारे यहाँ पहली बार पारंपरिक तकनीक के स्थान पर अत्याधुनिक डायरेक्ट ड्राइव इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली को ताजपुर रेलवे स्टेशन पर सफलतापूर्वक स्थापित किया गया है। इस नई प्रणाली के लागू होने से पश्चिम रेलवे,डायरेक्ट ड्राइव सिस्टम को अपनाई गयी है। वहीं उत्तर रेलवे के जम्मू मंडल द्वारा भी भारतीय रेलवे में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर ली है। इस नए प्रणाली के लागु होने से रेलवे के संचालन में दक्षता और सुरक्षा में सुधार की उम्मीद जताई जा रही है। इस नई प्रणाली की सफलता को लेकर जम्मू मंडल के रेल प्रबंधक विवेक कुमार ने डायरेक्ट इन्टर लॉकिंग सिस्टम की महत्वपूर्ण विशेषताओं के बारे में कहा कि यह प्रणाली रेलवे सिग्नलिंग और पॉइंट मशीनरी को सीधे नियंत्रित करती है,जिससे मानवीय त्रुटि की संभावना कम हो जाती है। यह सिस्टन सुनिश्चित करता है कि ट्रेनों का सुरक्षित मार्ग सुनिश्चित हो,जिससे दुर्घटनाओं का जोखिम कम हो। इस प्रणाली की एक महत्वपूर्ण विशेषता ट्रेनों की आवाजाही को सुव्यवस्थित करती है व ट्रेन संचालन की दक्षता में सुधार करती है। इस से यात्रियों को बेहतर यात्रा अनुभव भी मिलेगा। भारतीय रेलवे इस प्रणाली को अन्य रेलवे स्टेशनों पर भी लागू करने की योजना बना रही है। यह भारतीय रेलवे को आधुनिक,सुरक्षित और कुशल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यहाँ पर आप के मन में प्रशन उठना स्वाभाविक है कि यह डायरेक्ट ड्राइव सिस्टम आखिर क्या है? मै यहाँ पर स्पष्ट कर दूँ कि डायरेक्ट ड्राइव ई एल प्रणाली सिग्नलिंग गियर को सीधे नियंत्रित करती है। जो एक कंप्यूटर-आधारित प्रणाली है। जो यह सुनिश्चित करती है कि कोई सिग्नल केवल तभी क्लियर हो जब ट्रेन संचालन की सभी सुरक्षा शर्तें पूरी हो चुकी हों,उदाहरण के लिए निन्म बिन्दु के माध्यम से समझने की कोशिस करते है।

पहले की परंपरागत ईएल सिस्टम में सिग्नलिंग गियर को ऑपरेट करने के लिए अलग से रिले की आवश्यकता होती है,जबकि नए डायरेक्ट ड्राइव ई एल प्रणाली में यह सीधे गियर को नियंत्रित करता है। यह प्रणाली गियर की स्थिति को स्वत: पहचानती है,जिससे मानवीय त्रुटियों की संभावना नगण्य हो जाती है। चुँकि रिले एक इलेक्ट्रो-मैकेनिकल डिवाइस है,इससे जुड़ी तकनीकी विफलताएँ भी डायरेक्ट ड्राइव प्रणाली में बहुत कम हो जाती हैं। इस नए डायरेक्ट ड्राइव ई एल से तकनीकी लाभ को समझने का प्रयास करते है। इसमें ऑप्टिकल फाइबर केबल के उपयोग से पारंपरिक कॉपर केबल की आवश्यकता तक कम हो जाती है, जिससे विद्युत तड़ित प्रभाव से सुरक्षा मिलती है।

चोल सम्राट राजेन्द्र प्रथम को लेकर भाजपा और द्रमुक में क्यों हो रही है खींचतान?

नीरज कुमार दुबे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्राओं में एक स्पष्ट रणनीतिक और सांस्कृतिक संदेश छिपा हुआ होता है। ऐसा ही संदेश प्रधानमंत्री की तमिलनाडु यात्रा में भी छिपा है। हम आपको याद दिला दें कि इस साल अप्रैल में श्रीलंका से लौटते समय प्रधानमंत्री सीधे रामेश्वरम पहुँचे थे और अब मालदीव से लौटते समय सीधे तमिलनाडु के तूतीकोरिन और त्रिची आ रहे हैं, जहाँ वह चोल सम्राट राजेन्द्र प्रथम की जयंती उत्सव और आदि तिरुवाथिरै महोत्सव में भाग लेंगे। यह यात्रा केवल धार्मिक या सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उपस्थिति भर नहीं है, बल्कि तमिलनाडु और दक्षिण भारत की राजनीति में एक बड़ा संकेत है।

सबसे पहले रामेश्वरम की बात करें तो आपको बता दें कि यह स्थल रामायण और श्रीराम से जुड़ा है जोकि धार्मिक-सांस्कृतिक महत्व रखता है। प्रधानमंत्री का वहां जाना दक्षिण भारत में हिंदू आस्था के प्रमुख केंद्रों को सशक्त करने का प्रयास माना गया। वहीं त्रिची में चोल सम्राट राजेन्द्र प्रथम की जयंती उत्सव में प्रधानमंत्री की उपस्थिति तमिल गौरव और चोल इतिहास को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित करने का संदेश देती है। यह दिखाता है कि केंद्र सरकार तमिल संस्कृति और इतिहास को भारतीय सभ्यता के अभिन्न अंग के रूप में प्रस्तुत कर रही है।

प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्राएँ यह संदेश देती हैं कि तमिलनाडु का इतिहास और संस्कृति राष्ट्रीय गौरव का हिस्सा है, न कि उससे अलग। चोल सम्राट राजेन्द्र प्रथम जैसे ऐतिहासिक नायकों को राष्ट्रीय विमर्श में लाना, डीएमके के तमिल गौरव के नैरेटिव को चुनौती देने की कोशिश भी है। इसके अलावा, त्रिची यात्रा के साथ-साथ प्रधानमंत्री तमिलनाडु के तूतीकोरिन में ?4,800 करोड़ से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन भी कर रहे हैं। इससे यह संदेश जाता है कि सांस्कृतिक गौरव और आर्थिक प्रगति एक-दूसरे के पूरक हैं। भाजपा इस संतुलन को दिखाकर तमिलनाडु की जनता को यह विश्वास दिलाना चाहती है कि केंद्र सरकार क्षेत्रीय विकास और सांस्कृतिक सम्मान दोनों पर ध्यान दे रही है। हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री गंगैकोंडाचोलपुरम में सम्राट राजेन्द्र चोल प्रथम की जयंती मनाने और आदि तिरुवाथिरै महोत्सव में शामिल होने के साथ ही राजेन्द्र चोल प्रथम पर एक स्मारक सिक्का जारी करेंगे। यह समारोह चोल साम्राज्य की समुद्री विजय के 1000 वर्ष पूरे होने और गंगैकोंडाचोलपुरम मंदिर के निर्माण की स्मृति में आयोजित हो रहा है।

जहां तक यह सवाल है कि क्यों डीएमके और भाजपा चोल सम्राट राजेन्द्र प्रथम को लेकर आमने-सामने हैं तो आपको बता दें कि भारतीय राजनीति में इतिहास और प्रतीकों का इस्तेमाल नया नहीं है। लेकिन यहां असली सवाल यह है कि आखिर एक हज़ार वर्ष पूर्व के इस महान चोल सम्राट के नाम और योगदान को लेकर इतनी खींचतान क्यों? सवाल यह भी है कि इसके राजनीतिक, सांस्कृतिक और सामाजिक मायने क्या हैं? हम आपको बता दें कि राजेन्द्र प्रथम चोल साम्राज्य के सबसे शक्तिशाली शासकों में गिने जाते हैं। राजेन्द्र प्रथम को दक्षिण भारत का सबसे महान समुद्री विजेता माना जाता है। उन्होंने श्रीलंका, मालदीव, बर्मा (म्यांमार), थाईलैंड और कंबोडिया तक अपना प्रभाव बढ़ाया। गंगा जल लेकर चोल राजधानी में अभिषेक करने वाली उनकी उपलब्धि उन्हें गंगैकोंडा चोल की उपाधि दिलाती है। उनके शासनकाल में प्रशासनिक, सांस्कृतिक और समुद्री व्यापारिक नेटवर्क का जबरदस्त विस्तार हुआ। इसके अलावा, राजेन्द्र प्रथम केवल सैन्य शक्ति का प्रतीक नहीं थे, बल्कि सांस्कृतिक और स्थापत्य कला के भी बड़े संरक्षक थे। तंजावुर और गंगैकोंडाचोलपुरम के भव्य मंदिर उनकी धार्मिक सहिष्णुता और स्थापत्य कौशल को दर्शाते हैं। गंगैकोंडाचोलपुरम मंदिर यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है और तमिल शैव भक्ति परंपरा का महत्वपूर्ण केंद्र है। देखा जाये तो डीएमके के लिए राजेन्द्र प्रथम तमिल गौरव और द्रविड़ संस्कृति के प्रतीक हैं। पार्टी लंबे समय से यह तर्क देती रही है कि तमिल सभ्यता का इतिहास बेहद समृद्ध है और इसे उत्तर भारत केंद्रित ऐतिहासिक आख्यानों में दबा दिया गया। छ्रख्र्व चाहती है कि तमिल लोगों को यह एहसास हो कि उनके पूर्वजों ने समुद्र पार साम्राज्य खड़ा किया था। इसके अलावा डीएमके इस विषय को ब्राह्मणवादी इतिहास लेखन के प्रतिरोध के रूप में भी प्रस्तुत करती है। द्रविड़ आंदोलन के सामाजिक न्याय और जातिगत असमानताओं को चुनौती देने के एजेंडे के साथ, राजेन्द्र प्रथम का तमिल गौरव पार्टी के राजनीतिक विमर्श में मजबूती से फिट बैठता है।

दूसरी ओर, भाजपा की रणनीति थोड़ी अलग है। पार्टी राजेन्द्र प्रथम को हिंदू साम्राज्यवादी शक्ति के रूप में प्रस्तुत कर रही है, जिसने विदेशी ताकतों को परास्त कर भारत की सीमाओं के बाहर भी हिंदू प्रभाव फैलाया। यह नैरेटिव भाजपा की व्यापक सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की सोच से जुड़ता है। इसके अलावा डीएमके तमिलनाडु में अपनी जड़ें मजबूत करना चाहती है, जहां अब तक उसकी उपस्थिति सीमित रही है। डीएमके के तमिल गौरव को चुनौती देने के लिए भाजपा ऐतिहासिक नायकों को हिंदुत्व के चश्मे से प्रस्तुत कर रही है। इससे उसे तमिलनाडु में सांस्कृतिक जुड़ाव बनाने का अवसर मिलता है। दोनों दलों की खींचतान के निहितार्थ पर गौर करें तो डीएमके तमिल पहचान और द्रविड़ गौरव पर जोर देती है, जबकि भाजपा हिंदू पहचान और राष्ट्रीय गौरव पर। इसके अलावा, यह लड़ाई केवल अतीत की स्मृतियों की नहीं, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए इतिहास को परिभाषित करने की भी है। यह भी देखने में आ रहा है कि भाजपा दक्षिण भारत में पैर जमाने के लिए क्षेत्रीय प्रतीकों को अपनाने की रणनीति पर काम कर रही है, जबकि डीएमके इस क्षेत्रीय अस्मिता को बचाने की कोशिश में है।चोल सम्राट राजेन्द्र प्रथम की विरासत पर चल रही यह खींचतान बताती है कि इतिहास केवल अतीत का विषय नहीं है, बल्कि वर्तमान की राजनीति का हथियार भी बनता है। डीएमके और भाजपा दोनों ही राजेन्द्र प्रथम को अपने-अपने वैचारिक ढांचे में फिट करने की कोशिश कर रहे हैं। यह संघर्ष आने वाले समय में तमिलनाडु की राजनीति को और अधिक वैचारिक और सांस्कृतिक बहसों से भर देगा। बहरहाल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का तूतीकोरिन से गंगैकोंडाचोलपुरम तक का यह दौरा विकास और सांस्कृतिक प्रतीकवाद का एक संतुलित उदाहरण है। एक ओर वे दक्षिण तमिलनाडु को बड़ी बुनियादी परियोजनाओं का तोहफा दे रहे हैं, वहीं दूसरी ओर तमिल इतिहास और पहचान के सबसे गौरवशाली अध्यायों में से एक, चोल सम्राट राजेन्द्र प्रथम की स्मृति को सम्मानित कर रहे हैं।

भारत और ब्रिटेन के बीच हुए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट से ऐसे दूरगामी वैश्विक असर पड़ेंगे

कमलेश पांडे

हाल ही में भारत और ब्रिटेन के बीच हुआ मुक्त व्यापार समझौता (फ्री ट्रेड एग्रीमेंट) केंद्र में सत्तारूढ़ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार की एक बड़ी उपलब्धि है। इसके अंतरराष्ट्रीय मायने बेहद अहम हैं, क्योंकि इसका फायदा दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को मिलेगा। इस प्रकार भारत और ब्रिटेन के बीच हुए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट से आने वाले वर्षों में दूरगामी वैश्विक असर भी देखने को मिलेंगे।

यह कहना गलत नहीं होगा कि अमेरिका प्रेरित भूमंडलीकरण और निजीकरण की नीतियों पर आधारित मुक्त वैश्विक अर्थव्यवस्था के दौरान, पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से कारोबारी संरक्षणवाद बढ़ा है, उसमें ऐसे व्यापार समझौतों की भूमिका और भी अहम हो जाती है। देखा जाए तो भाजपा नीत एनडीए सरकार ने 2014 में केंद्रीय सत्ता में आने के बाद भारत ने मॉरिशस, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ऑस्ट्रेलिया और ईएफटीए के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट किया है।

लिहाजा, भारत-ब्रिटेन में बीच हुआ एफटीए उसी की एक अगली कड़ी है। जबकि यूरोप से हमारी बातचीत जारी है, जिसे जल्द से जल्द अंजाम तक पहुंचाया जाना चाहिए। ऐसा इसलिए कि अर्थव्यवस्था (इकॉनमी) के मोर्चे पर आने वाली संभावित चुनौतियों से निपटने में ऐसी ही द्विपक्षीय व्यापारिक डील सहायक होती हैं। आंकड़े बताते हैं कि भारत और ब्रिटेन के बीच पुराने व्यापारिक रिश्तों के बावजूद 2023-24 में केवल 21.34 बिलियन डॉलर का व्यापार हुआ था। जो दोनों देशों के अर्थव्यवस्था के आकार को देखते हुए यह आंकड़ा बहुत कम है। लिहाजा माना जा रहा है कि ट्रेड डील से सालाना व्यापार 34 बिलियन डॉलर तक बढ़ जाएगा। जबकि दोनों देश साल 2030 तक इसे 120 बिलियन डॉलर की ऊंचाई पर पहुंचाना चाहते है। इससे साफ है कि अब दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़ेगा और कारोबारी संतुलन लाने में भी आशातीत मदद मिलेगी। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि आधुनिक भारत के निर्माण में इंग्लैंड का बहुत बड़ा योगदान है, क्योंकि 1947 से पहले इंडिया पर उसी का शासन था। कॉमनवेल्थ देशों के सदस्य के नाते उससे भावनात्मक लगाव भी है। देखा जाए तो इस समझौते को लेकर लंबे समय से भारत-ब्रिटेन के बीच फ्री ट्रेड डील की बातचीत चल रही थी। इसकी वजह से ही अमेरिका की टैरिफ सम्बन्धी बातचीत भी चल रही थी और हाल में ही इसमें भी तेजी आई है। इसके पीछे एक नीति है। क्योंकि डॉनल्ड ट्रंप की ट्रेड पॉलिसी ने पूरी दुनिया में आर्थिक व सैन्य अनिश्चितता बढ़ा दी है। ऐसे में इस तरह के द्विपक्षीय समझौते से दोनों देशों को इस अनिश्चितता को घटाने और व्यापार बढ़ाने में मदद मिलेगी।

भारत के मेक इन इंडिया के लिहाज से भी यह डील बेहद अहम है। इससे करीब 99 प्रतिशत निर्यात यानी यहां से ब्रिटेन जाने वाली चीजें पर टैरिफ से राहत मिलेगी। इससे वहां पर हमारा व्यापार बढ़ेगा। इसी तरह ब्रिटेन से आनी वाली चीजें भारत में सस्ती मिल सकेगी। लिहाजा इस डील से भारत के टेक्सटाइल्स, लेदर और इलेक्ट्रॉनिक्स को एक बड़ा फायदा होगा। इनसे हमारे मैन्युफैक्करिंग उद्योग को भी बढ़ावा मिलेगा। बता दें कि अभी ग्लोबल मैन्युफैक्करिंग में भारत की हिस्सेदारी केवल 2.8 फीसदी है, जबकि चीन की 28.8 फीसदी। इसी तरह, देश की सकल राष्ट्रीय उत्पाद (जीडीपी) में मैन्युफैक्करिंग का योगदान 17 प्रतिशत है और सरकार इसे 25 प्रतिशत तक बढ़ाना चाहती है। इसलिए इस तरह की डील से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय, दोनों स्तर पर प्रदर्शन में सुधार होगा। भारत-इंग्लैंड के बीच हुए एफटीए सेवकृषि सेक्टर को भी फायदा पहुंचेगा। इसी तरह के व्यापारिक समझौते के लिए इस समय भारत की बातचीत लम्बे समय से अमेरिका से भी चल रही है। लेकिन वहां कृषि और डेयरी प्रॉडक्ट्स को लेकर रस्साकशी है। क्योंकि अमेरिका इन दोनों क्षेत्रों में खुली छूट चाहता है, जबकि अपने लोगों के हितों को देखते हुए भारत ऐसा कदापि नहीं कर सकता है। इसलिए ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार होने से भारत के कृषि उद्योग को बढ़ावा मिलेगा। इस बीच, अगर भारत की अमेरिका के साथ अच्छी व्यापार डील हो जाती है तो उससे भी विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने की ओर हमारे कदम आगे बढ़ेंगे। हालांकि, भारत की गुटनिरपेक्षता की नीति, पिछले एक दशक के आशातीत आर्थिक विकास आदि से अमेरिका चिढ़ा हुआ है। उसकी नीति रही है कि अमेरिकी कम्पनियां चीन में सस्ता माल बनाएंगी और उसे भारत में खपायेंगी। लेकिन मनमोहन सरकार की इस राष्ट्रविरोधी नीति को नरेंद्र मोदी सरकार ने पलट दी है और मेक इन इंडिया, मेक फ़ॉर द वर्ल्ड जैसी ठोस राष्ट्रवादी नीतियों को बढ़ावा दिया है। भारत से अमेरिका की चिढ़ की एक मौलिक वजह यह भी है कि वह भारत को रूस से दूर करके चीन से लड़ाना चाहता है, भारत के पड़ोसी देशों को चीन-पाकिस्तान की मदद से इंडिया से उलझाना चाहता है, ताकि अरब देशों की तरह भारतीय उपमहाद्वीप के देशों में भी उसका दबदबा बढ़े और हथियार खपे। लेकिन वसुधैव कुटुम्बकम का भाव रखने वाले भारत के साथ अमेरिका की एक नहीं चली। इसलिए वह आतंकवादी उत्पादन करने की फैक्ट्री बन चुके पाकिस्तान की शरण में फिर चला गया, जहां चीन से उसे कड़ी टक्कर मिल रही है। चूंकि अंतरराष्ट्रीय क्षितिज पर अमेरिका-चीन के बीच आर्थिक व सैन्य होड़ मची हुई है, इसलिए भारत की कोशिश है कि इस पचड़े में न पड़ते हुए अपना चहुंमुखी विकास किया जाए। चूंकि इस दिशा में भारत के पुराने व भरोसेमंद देश रूस की भरपूर तकनीकी मदद भारत को मिल रही है। इसलिए अमेरिका-यूरोप भारत पर दबाव बढ़ा रहे हैं कि वह रूस से अपने रिश्ते कम करे और पश्चिमी देशों से सहयोग बढ़ाए, जो आजतक किसी के हुए ही नहीं और प्रथम-द्वितीय विश्वयुद्ध की वजह बने। आज जिस तरह से अमेरिका-यूरोपीय देश रूस के पड़ोसी यूक्रेन की मदद कर रहे हैं, इससे उनकी गलत मंशा को समझा जा सकता है। इजरायल को अरब देशों के साथ भिड़ाए रखना, पाकिस्तान को भारत से भिड़ाए रखना, चीन को ताइवान से भिड़ाए रखना जैसी उनकी कई क्षुद्र नीतियां हैं, जिससे अंतरराष्ट्रीय मानवता भी कभी-कभार संकट में आ जाती है।

आबकारी आरक्षक भर्ती परीक्षा, 200 पद; 2 लाख 70 हजार कैंडिडेट

2703 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे; देर से आने वाले को नहीं मिली एंट्री

मीडिया ऑडीटर, रायगढ़ (निप्र)। छत्तीसगढ़ में आबकारी आरक्षक भर्ती की परीक्षा हो गई है। रायगढ़ जिले में 41 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। यहां 11,343 अभ्यर्थियों में 8, 640 कैंडिडेट ही परीक्षा देने आए। बाकी 2703 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। सबसे अधिक अनुपस्थिति उत्तम मेमोरियल कॉलेज पटेल पाली में रही। यहां 420 दर्ज संख्या में 305 परीक्षार्थी परीक्षा देने पहुंचे और 115 अनुपस्थित रहे। इसके अलावा सेंट टेरेसा कान्वेंट स्कूल में 480 दर्ज संख्या में 371 उपस्थित रहे और 109 अनुपस्थित रहे। साथ ही सभी 41 परीक्षा केन्द्रों में कई परीक्षार्थी अनुपस्थित थे। सुबह 11 बजे से दोपहर सवा 1 बजे तक चली परीक्षा में शामिल हुए जगन्नाथ गुप्ता ने बताया कि छत्तीसगढ़ से संबंधित प्रश्न आए थे। बाहर से प्रश्न नहीं आए थे। प्रश्नपत्र हार्ड नहीं थे और अच्छे से परीक्षा दिया गया।

एंट्री से पहले कड़ाई से जांच: सेंटर में एंट्री से पहले कड़ाई से जांच की गई। जो अभ्यर्थियों हाथ में कड़ा, रिंग, चाबी लेकर पहुंचे थे उन्हें उतरवा कर केंद्र के बाहर जमा कराया गया। फूल शर्ट और डार्क कपड़े पहनकर आए कुछ कैंडिडेट को प्रवेश ही नहीं दिया गया। लड़कियों को कान की बाली उतारकर आने बोले। इसके अलावा कन्या हाई स्कूल के परीक्षा केंद्र में साढ़े दस बजे के बाद आने वाले 4-5 अभ्यर्थियों को प्रवेश नहीं दिया गया। नटवर हाई स्कूल परीक्षा केंद्र से भी 1-2 अभ्यर्थियों को वापस लौटाया गया। बता दें कि 200 पदों के लिए पूरे प्रदेश भर से लगभग 2 लाख 70 हजार कैंडिडेट परीक्षा दे रहे है।

व्यापम ने पहले ही गाइड लाइन जारी किया था: व्यापम ने परीक्षा को लेकर पहले ही गाइड लाइन जारी कर दिया था। जिसके मुताबिक, केंद्र में परीक्षा से पहले जांच और सत्यापन कार्य किया जाएगा। इसके बाद सुबह 10.30 बजे तक ही प्रवेश दिया जाएगा। इसके बाद किसी की एंट्री नहीं होगी। गाइड लाइन का पालन सभी को अनिवार्य है।

परीक्षा केन्द्रों में जांच: डिप्टी कलेक्टर प्रवीण भगत ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रवेश के दौरान अभ्यर्थियों की जांच की गई। सभी केन्द्र में एक पुरूष और एक महिला कर्मी ड्यूटी में तैनात किए गए थे। महिला अभ्यर्थियों की फ्रिस्किंग (कपड़ों की तलाशी लेना) महिला पुलिस कर्मी से ही कराया गया।

कोयला तौल में धांधली

पुलिस ने फरार वाहन चालक को किया गिरफ्तार, 5 टन कोयले की हेराफेरी का आरोप

मीडिया ऑडीटर, जांजगीर-चांपा (निप्र)। पुलिस ने कोयला तौल में धांधली के मामले में थाना बलौदा पुलिस ने फरार चल रहे वाहन चालक प्रदीप नारायण मधुकर को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। इस मामले में कांटा ऑपरेटर नागेश्वर कश्यप को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। यह मामला 4 जनवरी 2025 को सामने आया था। कोलवासरी बलौदा के ट्रांसपोर्ट डिवीजन मैनेजर पंकज कुमार सिंह ने बलौदा थाने में शिकायत दर्ज कराई थी।

5 टन कोयले की हेराफेरी: शिकायत के अनुसार, कांटा ऑपरेटर और कुछ वाहन चालकों ने मिलकर कोयले की गड़बड़ी की थी। कम तौले गए कोयले की पर्ची में सही तौल दर्ज कर लगभग 5 टन कोयले की हेराफेरी की गई थी। इस कोयले की अनुमानित कीमत 24,000 रुपए बताई गई है। इस शिकायत पर थाना बलौदा में अपराध क्रमांक 04/2025, धारा 316(4), 3, 5 बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया था। जांच के दौरान पुलिस ने संस्थान में लगे सीसीटीवी फुटेज और कांटा पर्चियों का विश्लेषण किया। इससे साफ हुआ कि कांटा ऑपरेटर और दो वाहन चालकों ने मिलकर कोयले की हेराफेरी की थी।

पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया: अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जांजगीर-चांपा उमेश कुमार कश्यप के मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर आरोपी के ठिकाने की घेराबंदी की। इस कार्रवाई में 30 वर्षीय प्रदीप नारायण मधुकर को हिरासत में लिया गया। वह चंदनिया, थाना बलौदा का निवासी है। पूछताछ में प्रदीप ने अपना अपराध कबूल कर लिया। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, इस मामले में कुछ अन्य आरोपी अभी भी फरार हैं। उनकी तलाश जारी है।

बाढ़ में बहा युवक, 24 घंटे बाद मिली लाश

कुम्हारी नाले में तीन लोग फंसे थे, बचाने कूदा, एसडीआरएफ ने निकाला शव

मीडिया ऑडीटर, दुर्ग (निप्र)। जिले के कुम्हारी थाना क्षेत्र से रामपुर चोरहा नाले में बाढ़ में फंसे लोगों की जान बचाने के लिए छलांग लगाने वाले 35 वर्षीय राकेश बंजारे का शव 24 घंटे बाद बरामद कर लिया गया है। राकेश शनिवार से लापता था। एसडीआरएफ की टीम ने लगातार सर्च ऑपरेशन चलाने के बाद रविवार दोपहर उसका शव बरामद किया। घटना 26 जुलाई की सुबह लगभग 11 बजे की है, जब कुम्हारी क्षेत्र में भारी बारिश के चलते रामपुर चोरहा नाला उफान पर आ गया। तेज बहाव के कारण तीन लोग नाले में फंस गए थे। मौके पर मौजूद स्थानीय युवक राकेश बंजारे ने बिना देर किए उनकी जान बचाने के लिए छलांग लगा दी। राकेश ने दो लोगों को बाहर निकालने में मदद भी की, लेकिन तेज धार के बीच खुद का संतुलन खो बैठा और पानी में बह गया।

सर्च ऑपरेशन चला, लेकिन राकेश नहीं बच सका: सूचना मिलते ही कुम्हारी थाना पुलिस और एसडीआरएफ (राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल) की टीम मौके पर पहुंची। रेस्क्यू अभियान तुरंत शुरू किया गया, लेकिन पानी का बहाव इतना तेज था कि तलाश में काफी कठिनाई आई। लगभग 24 घंटे के सर्च ऑपरेशन के बाद आज दोपहर राकेश का शव घटनास्थल से कुछ दूर बरामद किया गया।

राकेश था परिवार का एकमात्र सहारा: राकेश बंजारे पेशे से पेंटर था और उसके दो छोटे बच्चे हैं। वह अपने परिवार का मुख्य कमाने वाला सदस्य था। वहीं प्रशासनिक अधिकारियों ने पीड़ित परिवार को हर संभव मदद देने की बात कही है।

एसडीआरएफ जवान बोले - पानी का बहाव असाधारण था: एसडीआरएफ टीम के एक अधिकारी ने बताया, पानी का बहाव बहुत ज्यादा था। हमने लगातार सर्च ऑपरेशन जारी रखा, लेकिन अंधेरे और करंट के चलते चुनौती बढ़ गई थी।

प्रेग्नेंट-पत्नी का चुनरी से गला घोंटा, तकिए से मुंह दबाया

सुसाइड दिखाने जला दी लाश; 2 साल पहले लव मैरिज, बच्चा नहीं चाहता था पति

मीडिया ऑडीटर, कोरबा (निप्र)। जिले में पति ने गर्भवती पत्नी की उसी की चुनरी से गला घोंटकर हत्या कर दी। इसके बाद सुसाइड दिखाने शव को जला दिया। दोनों पति-पत्नी पंचायत सचिव के पद पर पदस्थ थे। 2 साल पहले लव मैरिज की थी। जांच में पता चला की आरोपी पति बच्चा नहीं चाहता था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ था।

21 जुलाई को युवती की लाश उसके ही घर में अधजली हालत में मिली थी। जानकारी के मुताबिक दोनों अनुकंपा नियुक्ति पर पंचायत सचिव के पद पर कार्यरत थे। दोनों ने घर वालों को बिना बताए आर्य समाज में शादी की थी। पत्नी 1 महीने की प्रेग्नेंट थी। मामला रामपुर थाना क्षेत्र का है।

पहले भी करा चुका था अबॉर्शन: पंचायत सचिव सुषमा खुसरो (22 साल) और अभिनेक लदेर (25 साल) दोनों की मुलाकात ट्रेनिंग के दौरान हुई थी। पहले दोस्ती हुई और फिर प्यार में बदल गई।

दोनों पोड़ी उपरोड़ा विकासखंड क्षेत्र में कार्यरत थे। दोनों अलग जाति से थे, इसलिए घरवालों को रिश्ता मंजूर नहीं था। दोनों शादी करके कोरबा में किराए के घर में रह रहे थे। घटना वाले दिन प्रेग्नेंसी को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ था। पति बच्चा नहीं चाहता था। इससे पहले भी वह पत्नी का अबॉर्शन करा चुका था। देर रात सोने के बाद अभिनेक ने तड़के उठकर सुषमा का उसी की चुनरी से गला घोंट दिया।

आत्महत्या का रूप देने लगाई आग: इसके बाद तकिए से मुंह दबा दिया। आरोपी ने इसे आत्महत्या का रूप देने के लिए लाश को जमीन पर रखा। गैस चालू कर आसपास के कागज और कपड़ों में आग लगा दी। अंदर से दरवाजा बंद कर पीछे से बाहर जाने की जगह पर सीढ़ी के सहारे भाग गया। घर से धुआं निकलने पर पड़ोसियों ने 112 को सूचना दी। अभिनेक को मौके पर बुलाया गया। दरवाजा अंदर से बंद था। वह पीछे के दरवाजे से कूदकर अंदर घुसा और रोने का नाटक करने लगा।

परिजनों को पहले से शक था: सुषमा की मौत के बाद उसके परिजनों ने शव लेने से इनकार कर दिया था। उन्हें शक था कि उनकी बेटी सुसाइड नहीं कर सकती। किसी ने उसकी हत्या की है। परिजनों के शव लेने से इनकार करने पर आरोपी पति ने गांववालों और दोस्तों के साथ मिलकर पत्नी का अंतिम संस्कार किया। युवती के परिजनों के शक के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू की। आरोपी पति को हिरासत में लिया गया। शुरू में आरोपी ने पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की, लेकिन सख्ती बरतने पर आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। कोरबा सीएसपी भूषण एक्का ने बताया कि पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पांच टीम बनाई गई थी। 65 सीसीटीवी फुटेज की जांच और लगातार पूछताछ के बाद मामले का खुलासा हुआ। गर्भपात कराने के बाद से दोनों के बीच अक्सर विवाद होता था। सुषमा एक महीने की गर्भवती थी। विवाह की स्थिति बिगड़ रही थी, इसलिए आरोपी ने गला घोंटकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी अभिनेक लदेर को गिरफ्तार कर लिया है।

गलत जगह गाड़ी खड़ी करने पर जानलेवा हमला, नाबालिग समेत 2 आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। गाड़ी हटाने की बात पर विवाद हो गया। जिसके बाद एक आरोपी ने चाकू से युवक के पेट में हमला कर दिया। इस मामले में पुलिस ने एक नाबालिग समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। यह पूरा मामला तिल्दा नेवरा थाना इलाके का हैं। सतीश यादव ने थाना तिल्दा नेवरा में रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह पुरानी बस्ती रामायण चौक नेवरा में रहता है। हमाली का काम करता है। 24 जुलाई को रात करीब 8.30 बजे मुकेश यादव और दिनेश साहू रोड में बैठे थे। तभी मोहल्ले के रहने वाले आरोपियों ने कहा कि, अपनी दोपहिया वाहन को हटा नहीं रहे हो और रोड जाम कर दिए हो कहा। फिर पोई साहू, धनुष निषाद और उसके अन्य साथी जबरदस्ती गाली गलौज करने लगे।

दो गिरफ्तार, अन्य फरार: फिर मुकेश और दिनेश की हत्या करने की नीयत से उन्होंने चाकू से हमला कर दिया। जिससे दोनों युवकों के शरीर में गंभीर चोटें आई। अपने आसपास के लोगों ने अस्पताल में भर्ती कराया। इस मामले में पुलिस ने फिलहाल एक नाबालिग समेत देवेंद्र साहू को गिरफ्तार कर लिया है।

शराब के विवाद में पूर्व सरपंच के बेटे की हत्या, 2 आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, जांजगीर-चांपा (निप्र)। जिले में पूर्व सरपंच के बेटे की हत्या कर शव को खेत के किनारे फेंक दिया गया। शराब पीने के दौरान आधा पाव दारू गिर गया। इसी बात को लेकर तीनों युवकों में विवाद हुआ और दो युवकों ने उसे मार डाला। पुलिस ने दोनों आरोपियों को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया है। यह मामला नैला चौकी उप थाना क्षेत्र की है। इस मामले में सीएसपी कविता ठाकुर ने बताया कि 25 जुलाई को सुबह ग्रा खेत के किनारे युवक का शव मिला है। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने जांच शुरू की। मृतक की पहचान पूर्व सरपंच महारथी चौहान के पुत्र अर्जुन सिंह चौहान (38) के रूप में हुई। उसके सिर पर गहरे चोट के निशान मिले थे।

सीसीटीवी से पकड़ाए आरोपी: पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में धारदार हथियार से हत्या की पुष्टि होने पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धारा 103(1) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। इनमें दो युवक सागर सूर्यवंशी (21) और हर्ष सूर्यवंशी (24) को अर्जुन कुमार चौहान के साथ शराब पीकर निकलते देखा गया।

पूछताछ में हुआ खुलासा: संदेह के आधार पर दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पता चला कि पीने के समय आधा पाव दारू गिरने के कारण तीनों के बीच विवाद हुआ था। इसके बाद दोनों आरोपियों ने टांगिया से अर्जुन के सिर पर हमला कर उसकी हत्या कर दी। आरोपियों के कब्जे से टांगिया बरामद कर लिया गया है और दोनों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

गांव की पानी टंकी के पास जमी थी महफिल, 6 जुआरी गिरफ्तार; कैश भी जब्त

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। पुलिस ने 6 जुआरियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी गांव के पानी टंकी के पास जुएं की महफिल बनाए हुए थे। इस बात की भनक पुलिस को लग गई। पुलिस ने रेड मारकर आरोपियों को दबोच लिया है। आरोपियों के पास से कैश भी जब्त किए गए हैं। 26 जुलाई को खरोरा पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम केवराडीह के पानी टंकी के नीचे सार्वजनिक स्थान पर कुछ लोग ताश के माध्यम से जुआ खेल रहे हैं। आरोपियों ने हार जीत का दांव लगाया हैं। पुलिस ने आरोपियों की घेराबंदी कर ली। उनके पास से ताश और 34 हजार कैश भी जब्त किए है।

मल्टीप्लेक्स में पहली बार भजन-कीर्तन महावतार नरसिम्हा मूवी पर दिखा भक्तों का उत्साह, हरे राम-हरे कृष्ण के जयकारों से गूंजा मॉल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। भारत के इतिहास में पहली बार ऐसा नजारा देखने को मिला, जब किसी मॉडर्न मल्टीप्लेक्स थिएटर हरि बोल के नारों और भजन-कीर्तन से गूंज उठा। शनिवार को रायपुर के एक मॉल में स्थित मल्टीप्लेक्स में महावतार नरसिम्हा मूवी शो के दौरान (इस्कॉन) से जुड़े भक्तों ने परंपरागत वेशभूषा में शामिल होकर माहौल को आध्यात्मिक बना दिया। इस दौरान भक्त पारंपरिक धोती-कुर्ता पहनकर, माथे पर तिलक लगाकर और कंठी माला पहनकर पहुंचे। मृदंग और करताल के साथ हरे राम-हरे कृष्ण के भजनों करते आए। स्पाइडर मैन भी कीर्तन करता नजर आया। लगभग 277 इस्कॉन भक्तों ने एक साथ यह मूवी देखी और इसे सनातन धर्म के प्रचार का सशक्त माध्यम बताया।

इस्कॉन ने मूवी को दिया पूरा समर्थन: इस्कॉन से जुड़े भक्तों का कहना है कि, महावतार नरसिम्हा सनातन संस्कृति और मूल्यों को बढ़ावा देने वाली फिल्म है। इस्कॉन से जुड़े आयुष ने कहा कि, आज के समय में समाज में ऐसी फिल्में कम आ रही हैं। यह मूवी सनातन धर्म को सही रूप में प्रस्तुत करती है, इसलिए हम सब इसका बढ़-चढ़कर समर्थन कर रहे हैं। 25 जुलाई को रिलीज हुई महावतार नरसिम्हा मूवी को दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है। बुक माई शो पर फिल्म को 9.8 की रेटिंग मिली है। सोशल मीडिया पर भी लोग इसकी जमकर तारीफ कर रहे हैं।

सार्वजनिक जगह पर कचरा फेंकने पर 68 हजार जुर्माना

स्वच्छता के लिए सख्त हुई बिलासपुर नगर निगम की कार्रवाई, लोगों को कर रहे जागरूक

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। नगर निगम ने स्वच्छता सर्वेक्षण में देश में दूसरे स्थान पर पहुंचने के बाद अब पहले स्थान पर आने के लिए कड़े कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। निगम ने पिछले चार दिनों में सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकने और निर्माण सामग्री डंप करने वालों से 68,500 रुपए का जुर्माना वसूला है।

नगर निगम आयुक्त अमित कुमार के निर्देश पर शहर के विभिन्न हिस्सों में यह अभियान चलाया जा रहा है। स्वच्छता पेट्रोल टीम और जोन कमिश्नरों को गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के आदेश दिए गए हैं। जागरूकता बढ़ाने के लिए निगम ने एक अनोखा कदम उठाया है। सड़क पर कचरा फेंकने वाले दुकानदारों से स्वयं झाड़ू लगवाकर सफाई करवाई गई। इससे उन्हें सबक मिलेगा और दूसरों के लिए भी यह एक संदेश होगा।

निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक स्थानों पर कचरा और निर्माण सामग्री डालने वालों के खिलाफ यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। शहरवासियों से अपील की गई है कि वे निर्माण सामग्री सड़कों पर न डालें। ऐसा करने से न केवल यातायात प्रभावित होता है बल्कि दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ जाता है। निगम का यह प्रयास है कि अगले स्वच्छता सर्वेक्षण में बिलासपुर पहले स्थान पर आए और इसके लिए लोगों में स्वच्छता की आदत विकसित की जाए। इस अभियान के माध्यम से निगम शहर की सफाई व्यवस्था में और अधिक सुधार लाना चाहता है।

शनिचरी बाजार में घूमते पकड़ा गया 30 हजार का इनामी

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। शनिचरी बाजार में बेमेतरा जिले का एक हत्या का आरोपी घूमते हुए पकड़ा गया। पुलिस ने हुलिए के आधार पर आरोपी को धर दबोचा। नवागढ़ पुलिस ने इस आरोपी पर 30 हजार रुपए का इनाम रखा था। कोतवाली पुलिस ने आरोपी को बेमेतरा पुलिस के हवाले कर दिया है। आरोपी की पहचान बेमेतरा के संबलपुर चौकी के ग्राम सोनपुरी निवासी सोहन राजपूत (30) के रूप में हुई है। वह शनिवार को शनिचरी बाजार में घूम रहा था। बेमेतरा पुलिस द्वारा जारी फोटो से हुलिया मिलने पर पुलिस ने सोहन को पकड़कर थाने लाया।

पुलिस से बचने बार-बार बदल रहा था शहर: पूछताछ के दौरान पता चला कि वह बेमेतरा जिले के संबलपुर चौकी में दर्ज हत्या के मामले का आरोपी है। पुलिस से बचने के लिए वह बार-बार अपना शहर बदल रहा था। बेमेतरा पुलिस ने उसके खिलाफ 30 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था। आरोपी के पकड़े जाने की सूचना तुरंत एसएसपी रजनेश सिंह को दी गई। इसके बाद बेमेतरा पुलिस से संपर्क कर आरोपी को उनके हवाले कर दिया गया।

कलेक्टर जैन ने मसनगांव में खाद वितरण व्यवस्था का निरीक्षण किया

हरदा, (एजेंसी)। कलेक्टर सिद्धार्थ जैन शनिवार को ग्राम मसनगांव पहुंचकर सेवा सहकारी समिति मसनगांव द्वारा किये जा रहे खाद वितरण कार्य का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिला विपणन अधिकारी योगेश मालवीय, उप संचालक कृषि जे.एल. कास्दे, सहायक आयुक्त सहकारिता वासुदेव भदोरिया, सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर जैन ने निरीक्षण के दौरान उर्वरक वितरण प्रक्रिया की जानकारी ली। उन्होने समिति प्रबंधक से समिति के नियमित कृषकों को श्रशह्य मशीन के माध्यम से खाद वितरित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों को निर्धारित मात्रा में खाद मिलनी चाहिए।

शिक्षक-छात्र संवाद पर आधारित व्याख्यान का हुआ आयोजन

राजगढ़, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजगढ़ में प्राचार्य डॉ. विपिन बिहारी खरे के नेतृत्व में शिक्षक और छात्र-छात्राओं के बीच बढ़ती दूरी विषय पर एक सारगर्भित व्याख्यान एवं संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य बदलते शैक्षणिक परिप्रेक्ष्य में शिक्षक और विद्यार्थियों के बीच संवादहीनता की स्थिति को समझना और उसे सुलझाने के उपाय सुझाना था। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता वाइस प्रिंसिपलसांदीपनि विद्यालय तरुण रस्तोगीने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षक का सबसे बड़ा दायित्व केवल ज्ञान देना नहीं, बल्कि विद्यार्थी के अंतर्मन को समझकर उसे दिशा देना है। यदि हम उन्हें सुनेंगे नहीं, तो वे हमसे जुड़ नहीं पाएंगे।

नवांकुर सखी कार्यक्रम के अंतर्गत कलश यात्रा का आयोजन किया गया

उज्जैन, (एजेंसी)। विकासखंड घट्टिया के आदर्श ग्राम गुढ़ा में शनिवार को नवांकुर सखी कार्यक्रम के अंतर्गत कलश यात्रा का आयोजन स्थानीय शिव मंदिर पर किया गया। इस अवसर पर महिलाओं द्वारा ढोल के साथ कलश यात्रा निकाली गई जो कि,ग्राम भ्रमण करती हुई गांव के श्री हनुमान मंदिर में संपन्न हुई। इस अवसर पर एक पेड़ मां के नाम अभियान अंतर्गत मंदिर परिसर में पौधारोपण भी किया गया। यात्रा में सम्मिलित सभी महिलाओं को बिल्व पत्र रोपित थैलियों का वितरण किया गया।इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य अमर सिंह जी खोरिया,मध्यप्रदेश मालवीय, जिला समन्वयक जय दीक्षित, विकासखंड समन्वयक मोहन सिंह परिहार,सरपंच विकास आंजना,पूर्व जिला पंचायत सदस्य आशा राठौड़,प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष रमेश जी पटेल एवं बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रही।

मुख्य कार्यपालन आधिकारी जिला पंचायत ने किया विकासखंड सांवेर कि ग्राम पंचायतों का निरीक्षण

इन्दौर, (एजेंसी)। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सिद्धार्थ जैन ने गत दिवस विकासखंड सांवेर के विभिन्न ग्रामों का भ्रमण कर पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की योजनाओं के साथ-साथ अन्य शासकीय योजनाओं व संस्थाओं का निरीक्षण किया । ग्राम पंचायत कदवाली बुजुर्ग स्थित आंगनवाडी केंद्र के औचक निरीक्षण के दौरान बच्चों को उपलब्ध करवाई जा रही सुविधाओं की जानकारी आंगनवाडी कार्यकर्ता से ली गयी। इस अवसर पर जैन ने आंगनवाडी में बच्चों को दिए जा रहे पोषण व टेक होम राशन कि जानकारी भी प्राप्त की और बच्चों से आत्मीय संवाद भी किया ।

ग्राम पंचायत मांगलिया में स्वच्छ भारत मिशन के तहत घरों आदि से निकलने वाले प्लास्टिक व अन्य कचरे के उचित निपटान के लिये जनपद पंचायत सांवेर अंतर्गत आने वाले गाँव मांगलिया, डाबली, सुलाखेड़ी, रामपिपल्या, लसूड़िया परमार,कैलोदहाला को क्लस्टर बना कर

इनके प्लास्टिक अपशिष्ट का निपटान केंद्रीयकृत व्यवस्था से किये जाने हेतु मांगलिया में एमआरएफ सेंटर का संचालन एवं अन्य अधोसंरचना का निर्माण किया जा रहा है। एमआरएफ सेंटर का निरीक्षण करते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत जैन द्वारा कचरा संग्रहण व सेग्रिकेशन कार्य का विस्तार से अवलोकन किया गया और उपस्थित क्लस्टर के सरपंचो और संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर एमआरएफ सेंटर के संचालन में आ रही समस्यों का निराकरण किया और साथ ही निर्देशित किया कि अतिरिक्त शासकीय भूमि चिहिंत करें, जिससे गीले कचरे के निपटान की व्यवस्था सुचारू रूप से कि जा सके । मुख्य कार्यपालन आधिकारी जिला पंचायत जैन ने कहा कि एमआरएफ क्लस्टर के प्रभावी संचालन में पूर्ण सहयोग करें, जिससे प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन की आदर्श व्यवस्था निर्मित होकर जिले की अन्य पंचायतों के लिये मार्ग प्रशस्त हो सके। जैन ने ग्राम पंचायत मांगलिया में नवीन निर्माणाधीन ग्राम पंचायत भवन का निरीक्षण किया और समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण कार्य करने के निर्देश दिये 7 निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी सिद्धार्थ जैन द्वारा शासकीय योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों से भी चर्चा की गई।

वर्षा काल में निगम की आपदा प्रबंधन टीम मैदान में

इन्दौर, (एजेंसी)। वर्तमान में शहर में लगातार हो रही वर्षा को दृष्टिगत रखते हुए नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा के निर्देशन में आपदा प्रबंधन की टीम द्वारा शहर के विभिन्न स्थानों पर लगातार जल निकासी का कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही नगर निगम आयुक्त वर्मा द्वारा नगर निगम चौराहा, मधुमिलन चौराहा, जीपीओ चौराहा, आजाद नगर, तीन इमली, पिपलियाहाना, मूसाखेड़ी, वर्ल्ड कप चौराहा, अग्रवाल पब्लिक स्कूल के आगे लोटस के पास, रिंग रोड एवं स्कीम नंबर 140 क्षेत्र का निरीक्षण किया गया। शहर में हो रही वर्षा को दृष्टिगत रखते हुए निगम की आपदा प्रबंधन की टीम के साथ निगम कंट्रोल रूम से संपर्क रखते हुए, शहर में जल जमाव की स्थिति का त्वरित निराकरण किया जा रहा है। इसी दौरान नगर निगम आयुक्त वर्मा को स्कीम नंबर 140 की सड़कों में जल जमाव की शिकायत प्राप्त हुई

जिस पर उन्होंन स्वयं स्कीम नंबर 140 क्षेत्र का निरीक्षण किया गया। मौका स्थल पर देखा तो स्कीम नंबर 140 की सड़कों पर पानी भरा हुआ मिला, इस पर क्षेत्रीय जोनल अधिकारी धीरेंद्र बायस द्वारा जल निकासी का कार्य ठीक से नहीं करने पर आयुक्त द्वारा झोनल अधिकारी को फटकार लगाई तथा तत्काल निगम की आपदा प्रबंधन ऑरेंज टीम को मौका स्थल पर बुलाया एवं जल निकासी का कार्य कराया गया।

सड़क दुर्घटना पीड़ितों की नगदी रहित उपचार स्कीम

हरदा, (एजेंसी)। सड़क सुरक्षा एवं दुर्घटनाओं को रोकने के लिये सर्वोच्च न्यायालय द्वारा समय-समय पर निर्देश जारी किए जाते रहे हैं। इस बात को ध्यान में रखते हुए सुप्रीम कोर्ट कमेटी ऑन रोड सेफ्टी सम्पूर्ण देश में नियमित मॉनीटरिंग कर रही है। समय-समय पर यह कमेटी विभिन्न राज्यों से रिपोर्ट प्राप्त कर सड़क सुरक्षा संबंधी विभिन्न योजनाओं एवं सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय से जारी गाइड-लाइन्स की समीक्षा कर सर्वोच्च न्यायालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत करती है। परिवहन सचिव ने सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिये नगदी रहित उपचार योजना के क्रियान्वयन के लिये कलेक्टर्स को निर्देश भी जारी किये हैं। निर्देशों में बताया गया है कि यह स्कीम और गाइड-लाइन्स मई-2025 और जून-2025 में जारी हुई हैं। इसी के साथ मंत्रालय द्वारा 21 मई, 2025 को यूजर मैनेजमेंट पोर्टल भी जारी किया गया है। निर्देशों में बताया गया है कि सड़क दुर्घटना प्रकरणों में जहाँ दोषी मोटरयान के पास वैध तृतीय पक्ष बीमा कव्हरेज था, उसका भुगतान केन्द्र सरकार द्वारा साधारण बीमा कम्पनियों के सहयोग से बनाये गये फण्ड से स्टेट हेल्थ एजेंसी (एसएचए) द्वारा अस्पताल के दावे को मंजूरी दिये जाने के 10 दिनों की समयावधि में जिला कलेक्टर्स के अनुमोदन से जिला स्तर पर ही केन्द्र सरकार द्वारा निर्धारित फण्ड से किया जायेगा। योजना में अस्पताल से दुर्घटना तारीख से अधिकतम 7 दिनों की अवधि में प्रति व्यक्ति के लिये एक लाख 50 हजार रूपये तक के उपचार की व्यवस्था है। दुर्घटना में पीड़ित व्यक्ति उसका परिवार दुर्घटना का विवरण हेल्पलाइन नम्बर 112 में खबर दे सकता है। परिवहन सचिव द्वारा जारी निर्देश में कहा गया है कि योजना के क्रियान्वयन के लिये किसी अधीनस्थ अधिकारी को जिम्मेदारी देते हुए इसकी नियमित मॉनीटरिंग जिला स्तर पर की जाये।

मेला अधिकारी सिंह के द्वारा सिंहस्थ-2028 महापर्व के अतंर्गत भीड़ प्रबंधन एवं यातायात व्यवस्था की समीक्षा बैठक की गई

उज्जैन, (एजेंसी)। मेला अधिकारी आशीष सिंह के द्वारा शनिवार को प्रशासनिक संकुल भवन के द्वितिय तल स्थित सभा कक्ष में आगामी सिंहस्थ महापर्व-2028 के अंतर्गत भीड़ प्रबंधन एवं यातायात व्यवस्था की समीक्षा की गई । बैठक में सिंहस्थ के अंतर्गत आवागमन के प्रमुख मार्ग इन्दौर रोड, देवास रोड, उन्हेल रोड़, बड़नगर रोड ,आगर रोड और मक्सी रोड पर अस्थाई पार्किंग स्थल बनाए जाने पर चर्चा की गई, साथ ही सिंहस्थ के लिए अस्थाई यातायात झोन, रेंज सेंटर, थाना बनाये जाने पर विचार विमर्श किया गया ।मेला अधिकारी सिंह ने सिंहस्थ के दौरान बाहर से आने वाले वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था के लिए एक

निश्चित कार्य योजना बनाये जाने के निर्देश दिए । यातायात व्यवस्था को दो स्तर पर संचालित करने के निर्देश दिए। घाटों पर भीड़ प्रबंधन के लिए वहा आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या और घाट पर होल्डींग केपेसिटी के लिए विस्तत कार्य योजना बनाये जाने के निर्देश दिए गये । प्रमुख घाटों पर पहुंचने के संकेतक विभिन्न स्थानों पर लगाये जाने के निर्देश दिए । बैठक में जानकारी दी गई की सिंहस्थ के दौरान भीड प्रबंधन, यातायात प्रबंधन और श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन के लिए सम्पूर्ण मेला क्षैत्र को विभिन्न प्रकार के जोन , रेंज , सेक?टर और थानों में बांटे जाने की योजना है ।

जिसमें 10 अस्थाई जोन, 20 अस्थाई रेंज, 40 अस्थाई सैक्टर, 80 अस्थाई थाने, 01 अस्थाई साइबर थाना और 10 अस्थाई साइबर हेल्प डेस्क बनाये जाने की कार्य योजना है । मेला क्षेत्र में पडने वाले महत्वपूर्ण संस्थान, मंदिर, अखाडे, कैम्प, घाटों के लिए सुरक्षा व्यवस्था की जायेगी । सुरक्षा की दृष्टी से ट्रैन, बस और निजी वाहनों की जांच की व्यवस्था की जायेगी ।

आपराधिक घटनाओं को रोकने के लिए स्वाट टीम, सर्विलांस टीम, साईबर टीम का गठन किया जायेगा । सामान्य दिनों और मुख्य पर्वों पर अलग- अलग यातायात व्यवस्था की जायेगी । श्रद्धालुओं को स्नान घाटों तक कम से कम चलना पडे इसके लिए प्रभावी पैदल यातायात व्यवस्था बनाई जायेगी ।

अपर कलेक्टर की अध्यक्षता में हुई जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

छतरपुर, (एजेंसी)। अपर कलेक्टर मिलिंद नागदेवे की अध्यक्षता में शनिवार को कलेक्टर कार्यालय के एडीएम कक्ष में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न हुई। इस अवसर पर सुव्यवस्थित यातायात व्यवस्था एवं सड़क दुर्घटनाओं पर रोकथाम के संबंध में आवश्यक सुझाव प्राप्त कर ट्रैफिक संबंधी विभिन्न एजेंडा पर चर्चा की गई। साथ ही कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग के माध्यम से अभिमत अथवा सुझाव प्रेषित करने का निर्णय भी लिया गया। सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में यातायात प्रभारी बृहस्पति साकेत द्वारा चिन्हित ब्लैक्सपॉट्स, बाहर हुए ब्लैकस्पॉट के बारे में बताते हुए आवश्यक प्रस्तावों की जानकारी से अवगत कराया गया। जिसमें बसारी तिराहे पर बड़ा ब्लैकस्पॉट चिन्हित किया गया है जिस पर सर्विस रोड बनाने, गढ़ा तिराहे पर बमीठा एनएचएआई रोड पर फ्लाई ओवर, अनगोर में बस स्टेंड से अस्पताल तिराहे पर स्पीड ब्रेकर एवं कौशन बोर्ड आदि ब्लैक स्पॉट पर निर्देशानुसार प्राथमिकता से जरूरी कार्यवाही के लिए कहा गया।

साथ ही जिले में ब्लैक्सपॉट्स में भी कमी आई है।

अपर कलेक्टर नागदेवे ने वर्षाकाल में नगरीय क्षेत्रों की सड़कों के गौवंश को गौशालाओं में स्थानांतरित करने, आकाशवाणी तिराहे पर सिग्नल, शहर में गल्ला मंडी में दो पहिया एवं चार पहिया पार्किंग विकसित करने, छत्रसाल चौराहे पर चौड़ीकरण, शहर में ऑटो एवं ई रिक्शा के लिए जल्द पार्किंग टेंडर, ट्रांसपोर्ट नगर में जरूरी मरम्मत कार्य के लिए एवं शहर में प्रमुख चौराहों पर हाई लाइट मास्क लगाने के निर्देश नगरपालिका को दिए। उन्होंने एनएचएआई को झांसी खजुराहो मार्ग पर आवारा पशुओं टालने के लिए अपनी टीम को एक्टिव करने के निर्देश भी दिए। साथ ही आरटीओ को कहा कि दुर्घटनाओं को टालने के लिए स्कूल बसों एवं हेलमेट की लगातार चेकिंग अभियान चलाएं। ईई पीडब्ल्यूडी को वर्षाकाल से क्षतिग्रस्त सड़कों के अन्य आवश्यक मरम्मत कार्य के निर्देश भी दिए गए।

कठिन हालात में पढ़ी बेटी सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को सफलता के लिये कर रही है प्रेरित

ग्वालियर, (एजेंसी)। एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहीं मुस्कान ने गोरखी स्कूल के विद्यार्थियों को बताए नीट में सफल होने के गुर कठिन परिस्थितियों के बाबजूद सफलता के सोपान तय कर रहीं प्रतिभाओं के माध्यम से जिले के सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को आगे बढ़ने के लिये प्रोत्साहित किया जा रहा है।कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान की पहल पर जिले में इस प्रकार के नवाचार हो रहे हैं। इस क्रम में सरकारी स्कूल में पढ़ाई करने के बाद गजराराजा मेडीकल कॉलेज में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही मुस्कान खान ने शासकीय गोरखी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में प्रेरणादायक सत्र में भाग लेकर विद्यार्थियों को नीट (राष्ट्रीय पात्रता एवं प्रवेश परीक्षा) में सफलता हासिल करने के गुर बताए। एमबीबीएस की छात्रा मुस्कान ने दो घंटे के इस सत्र में विद्यार्थियों को नीट परीक्षा के बारे में पूरी जानकारी दी । साथ ही परीक्षा का पैटर्न, तैयारी की रणनीति, समय प्रबंधन और उपयोगी सुझाव साझा किए। उन्होंने अपनी प्रेरणादायक कहानी बताते हुए कहा कि मैंने कक्षा 6 से 12 तक सरकारी स्कूलों में पढ़ाई की है। कठिन परिस्थितियों के बावजूद कड़ी मेहनत कर 10वीं कक्षा में 96 प्रतिशत और 12वीं हासिल किए। इतना ही नहीं, फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी तीनों में 100 में से 100 अंक हासिल किए। साथ ही नीट में सफलता हासिल करने के बाद आज मैं गजराराजा मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही हूं। मुस्कान ने सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों के लिये संदेश दिया कि जिस प्रकार मैंने नीट में सफलता हासिल की है वह आप भी प्राप्त कर सकते हैं। आपकी मदद करने के लिए मैं सदैव तत्पर हूँ। सत्र के दौरान विद्यार्थियों की शंकाओं का समाधान भी उन्होंने सरल भाषा में किया। साथ ही यह भी समझाया कि सरकार विद्यार्थियों की मदद के लिए कौन-कौन सी योजनाओं के तहत सुविधाएं प्रदान करती है, जिससे संसाधनों की कमी किसी भी विद्यार्थी की राह में बाधा न बने। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विवेक कुमार ने जिले के अन्य सरकारी स्कूलों में भी इसी तरह के मोटीवेशनल सत्र आयोजित करने के निर्देश स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों को दिए हैं।

डबरा के नंदू का डेरा से 50 लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थलों पर पहुँचाया

ग्वालियर, (एजेंसी)। कलेक्टर चौहान ने सभी एसडीएम को 24 घंटे टीमों को सतर्क रखने के दिए निर्देश एहतियात बतौर बनाए गए राहत शिविरों में भोजन, पेयजल व प्राथमिक चिकित्सा के पुख्ता इंतजाम रखने के भी दिए निर्देश बड़ेरा गाँव के नजदीक स्टॉप डैम पर पैर फिसलने से पानी में बहे प्रीतम की तलाश में जुटी है टीम ग्वालियर जिले में अतिवृष्टि से हुए जल भराव से प्रभावित गाँवों के लोगों के लिये एहतियात बतौर पर्याप्त राहत शिविर स्थापित किए गए हैं। साथ ही जहाँ पर अत्यधिक जल भराव हुआ है वहाँ के लोगों को जिला प्रशासन की टीमों द्वारा एसडीआरएफ की मदद से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने जिले के सभी एसडीएम को जल प्रभावित क्षेत्रों में 24 घंटे नजर रखने और आवश्यकता पड़ने पर लोगों को तत्काल नजदीकी राहत शिविर में आश्रय दिलाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही राहत शिविरों में भोजन, पेयजल व

प्राथमिक चिकित्सा के पुख्ता इंतजाम रखने के निर्देश भी उन्होंने दिए हैं। डबरा विकासखंड के ग्राम नंदू का डेरा में अत्यधिक जल भराव होने की सूचना मिलने पर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाने की कार्रवाई की गई। इसी तरह ग्राम खेड़ीरायमल में भी रेस्क्यू ऑपरेशन कर लोगों को राहत शिविरों में पहुंचाया जा रहा है। एसडीएम दिव्यांशु चौधरी ने बताया कि नंदू का डेरा से एसडीआरएफ की मदद से 50 लोगों को रेस्क्यू किया गया है। इनमें से 23 लोगों को डबरा के कम्युनिटी हॉल व रैन बसेरा में बनाए गए राहत शिविरों में पहुँचाया गया है। शेष लोग अपनी सुविधा व इच्छा के अनुसार अपने रिश्तेदारों के यहाँ चले गए हैं। इसी प्रकार ग्राम खेड़ीरायमल के लोगों को एसडीआरएफ की मदद से रेस्क्यू कर ग्राम पंचायत खेड़ी रायमल के पंचायत भवन में बनाए गए राहत शिविर में पहुँचाया गया है। जिले के मुरार विकासखंड के अंतर्गत ग्राम टिहौली के पीछे स्थित बड़ेरा निवासी 55 वर्षीय प्रीतम सिंह कुशवाह के बैसली नदी पर बने रपटे को पार करते समय पैर फिसलने से बहने की सूचना मिलने पर एसडीएम ग्वालियर ग्रामीण सूर्यकांत त्रिपाठी बचाव टीम के साथ तत्काल मौके पर पहुँचे। एसडीआरएफ की टीम प्रीतम कुशवाह को खोजने में लगी है। एसडीएम त्रिपाठी ने बताया कि मदद के लिये एनडीआरएफ की टीम को भी बुलाया है। उन्होंने बताया कि मुरार विकासखंड के अंतर्गत हस्तिनापुर व बेहट में विशेष राहत शिविर स्थापित किए गए हैं।

साथ ही अन्य स्थलों पर भी एहतियात बतौर राहत शिविर स्थल चिन्हित कर लिए गए हैं। एसडीएम भितरवार संजीव जैन ने बताया कि भितरवार क्षेत्र में लगातार हो रही वर्षा को ध्यान में रखकर लगातार सतर्कता बरती जा रही है। निचले क्षेत्रों में स्थित जिन पुल-पुलियों पर पानी बढ़ा है उनको बैरीकेट्स लगाकर आवागमन के लिये बंद कर दिया गया है।

गर्लफ्रेंड की मौजूदगी में बेन डकेट ठोकते हैं ज्यादा रन

मैनचेस्टर, (एजेंसी)। क्रिकेट के मैदान पर कई बार ऐसा होता है जब खिलाड़ी सिर्फ खेल नहीं, बल्कि निजी भावनाओं से भी जुड़ जाते हैं। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज बेन डकेट इस वक्त कुछ इसी वजह से चर्चा में हैं। बेन का बल्ला तब और ज्यादा रन उगलता है जब उनकी गर्लफ्रेंड पैगी ओगबॉर्न स्टेडियम में मौजूद होती हैं। मैनचेस्टर में खेले गए हालिया टेस्ट मैच में जब पैगी स्टैंड्स में नजर आईं, तो डकेट ने भारत के खिलाफ 100 गेंदों में 94 रनों की विस्फोटक पारी खेली। यह पहला मौका नहीं था जब उनका प्रदर्शन पैगी की मौजूदगी में निखरा हो, इससे पहले लीड्स टेस्ट की चौथी पारी में भी जब पैगी वहां थीं, डकेट ने शानदार शतक ठोका था और भारत को हार का सामना करना पड़ा था। लेकिन जब ऐजबेस्टन और लॉर्ड्स में पैगी मौजूद नहीं थीं, तो डकेट का बल्ला खामोश रहा और वे दोनों टेस्ट में फ्लॉप रहे। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि पैगी मैदान में उनके लिए किसी लकी चार्म से कम नहीं हैं। इस सीरीज में अब तक डकेट ने 4 मैच की 7 पारियों में कुल 365 रन बना लिए हैं। बेन डकेट और पैगी की प्रेम कहानी की शुरुआत 2021 के अंत में हुई थी।

मोईन अली ने बताया शुभमन गिल को भविष्य का मजबूत कप्तान

लंदन, (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर मोईन अली का मानना है कि भारत के युवा बल्लेबाज शुभमन गिल भविष्य में एक बहुत ही शानदार कप्तान के रूप में उभर सकते हैं। मोईन के मुताबिक गिल ने न सिर्फ बल्ले से बेहतरीन प्रदर्शन किया, बल्कि मैदान पर अपने आक्रामक रवैये और नेतृत्व कौशल से यह साबित भी कर दिया है कि उनमें नेतृत्व की पूरी क्षमता है। इंग्लैंड दौरे के दौरान गिल ने लगातार शानदार पारियां खेलीं, जिससे न सिर्फ भारत को मजबूती मिली बल्कि उन्होंने खुद को भी एक मैच विनर के तौर पर स्थापित किया। मोईन अली ने कहा कि गिल बल्ले से आगे बढ़कर टीम का नेतृत्व कर रहे हैं और एक भारतीय कप्तान के लिए यह बहुत जरूरी गुण है। गिल ने इस सीरीज में कई बार इंग्लैंड के गेंदबाजों को मुश्किल में डाला, खासकर लीड्स और बर्मिंघम में। उन्होंने दो टेस्ट में तीन शतक लगाए, जिनमें एक 269 रनों की पारी भी शामिल रही, जो उनके करियर की अब तक की सर्वश्रेष्ठ पारी थी। इन दो मैचों में उन्होंने कुल 458 रन बनाए, जो उनके आत्मविश्वास और निरंतरता को दर्शाता है। तीसरे टेस्ट में जब मुकाबला थोड़ा तनावपूर्ण हुआ, तो गिल उस माहौल के केंद्र में नजर आए। इंग्लैंड और भारत के खिलाड़ियों के बीच तीखी जुबानी जंग हुई, जिसमें गिल ने आक्रामक अंदाज में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। मोईन अली के मुताबिक इस तरह का मुकाबला लंबे समय से टेस्ट क्रिकेट में देखने को नहीं मिला था।

दुनिया की 31 क्रिकेट लीग में भारतीयों की हिस्सेदारी, अमेरिका बना दूसरा सबसे बड़ा केंद्र

नई दिल्ली, (एजेंसी)। क्रिकेट अब सिर्फ टेस्ट खेलने वाले 12 देशों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह खेल 23 देशों तक फैल चुका है और इसकी सबसे बड़ी ताकत बनी हैं फ्रेंचाइजी लीग्स। इनमें भारत की भूमिका बेहद अहम है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 48 क्रिकेट लीग्स आयोजित होती हैं, जिनमें से 31 में किसी न किसी रूप में भारत का योगदान है। इनमें आईपीएल सबसे बड़ी और सबसे सफल लीग के रूप में जानी जाती है, जिसने विश्व क्रिकेट की आर्थिक संरचना को ही बदल दिया है। भारतीय क्रिकेटर्स भले ही विदेशी लीगों में खेलने से वंचित हों, लेकिन पूर्व खिलाड़ी, अभिनेता, ब्रॉडकास्टर, निवेशक और भारतीय मूल के क्रिकेटर दुनिया की कई लीग में सक्रिय हैं।

भारत के बाद अमेरिका क्रिकेट लीग्स का दूसरा सबसे बड़ा हब बन गया है, जहां कुल 11 लीग्स खेली जाती हैं। भारत में 21 लीग्स और अमेरिका में 11 लीग्स होने का यह आंकड़ा इस बात की गवाही देता है कि भारत का क्रिकेट से जुड़ा निवेश वैश्विक हो चुका है। इंटरनेशनल मास्टर्स लीग के को-फाउंडर सचिन तेंदुलकर और सुनील गावस्कर जैसे दिग्गज इसमें अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं।

इंडिया और पाक मैच के ऐलान पर भारत के पूर्व कप्तान का फूटा गुस्सा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। इस साल सितंबर में यूएई की मेजबानी के अंदर एशिया कप 2025 का आयोजन होगा। ये टूर्नामेंट 9 से 28 तारीख के बीच खेला जाएगा। इसी के साथ ये भी तय हो गया है कि भारत और पाकिस्तान की टीमें इस टूर्नामेंट में एक-दूसरे के खिलाफ मुकाबला खेलेंगी। दोनों को एक ही ग्रुप में रखा गया है। जैसे ही इस बात का ऐलान हुआ हंगामा खड़ा हो गया। भारत के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन ने भी इसके खिलाफ आवाज उठाई है। हाल ही में पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान को हर मोर्चे पर घेरने की बात कही जा रही थी। सरकार ने साफ कर दिया था कि पाकिस्तान के साथ अब एक साथ बैठा नहीं जा सकता चाहे मंच कोई भी हो। पाकिस्तान के खिलाफ आईसीसी इवेंट्स और एशिया

कप में भी न खेलने की बातें पूरे जोर-शोर से हुई थी। लेकिन शेड्यूल सामने आने के बाद सब कुछ बदल गया। ऐसे में जब एशिया कप का शेड्यूल सामने आया और उसमें 14 सितंबर को भारत-पाकिस्तान का मैच तय हुआ तो पूरे देश में सवाल खड़े होने लगे कि ये नहीं होना चाहिए। इस दौरान पूर्व कप्तान अजहरुद्दीन ने कहा कि, मैंने हमेशा कहा है कि या तो सब कुछ होना चाहिए या कुछ भी नहीं होना चाहिए। अगर आप द्विपक्षीय सीरीज नहीं खेल रहे हैं तो फिर आपको इंटरनेशनल इवेंट्स भी नहीं खेलने चाहिए। ये मेरा मानना है। लेकिन जो भी सरकार और बोर्ड फैसला करेगा वही होगा। अजहर ने भी वर्ल्ड चैंपियंस ऑफ लीजेंड्स लीग में भारतीय खिलाड़ियों के कदम को अपना समर्थन दिया। ये लीग क्रिकेट की दुनिया को अलविदा कह चुके खिलाड़ियों की लीग है जिसमें इंडिया चैंपियंस का प्रतिनिधित्व युवराज सिंह, हरभजन सिंह, इरफान पठान, युसूफ पठान, सुरेश रैना कर रहे हैं। इन सभी ने पाकिस्तान चैंपियंस के खिलाफ मैच खेलने से मना कर दिया था।अजहर ने कहा कि, वेटरन लीग आधिकारिक नहीं है। इसे आईसीसी या बीसीसीआई से मंजूरी नहीं मिली है। ये प्राइवेटली कराई जाती है लेकिन एशिया कप का आयोजन एसीसी करता है।

पांचवें दिन ऋषभ पंत करेंगे बल्लेबाजी? कोच ने दिया बड़ा अपडेट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ खेले जा रहे चौथे टेस्ट मैच में बैकफुट पर नजर आ रही है। हालांकि, कप्तान शुभमन गिल और केएल राहुल ने मजबूत साझेदारी कर भारत को संभाला और इंग्लैंड के खिलाफ डटकर सामने किया है। पांचवें दिन रविवार को हालात मुश्किल होंगे और ऐसे में टीम इंडिया को उपकप्तान ऋषभ पंत की बेहद जरूरत है। लेकिन सवाल ये है कि, क्या पंत पाचवें दिन बल्लेबाजी के लिए उतरेंगे?

कुलदीप को बल्लेबाजी संतुलन की भेंट चढ़ा रहे चयनकर्ता-मोर्कल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मैनचेस्टर टेस्ट के दौरान जब इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने भारतीय गेंदबाजी की धज्जियां उड़ाईं, तब हर किसी को स्पिनर कुलदीप यादव की कमी खली। सीरीज में अब तक एक भी मैच न खेलने वाले कुलदीप की चर्चा हर मुकाबले से पहले होती है, लेकिन टीम चयन में उन्हें लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है। एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में तीन मैचों के बाद भारत 2-1 से पीछे है और चौथे टेस्ट में इंग्लैंड ने पहली पारी में 544 रन ठोक डाले, जिससे कुलदीप की गैरमौजूदगी पर सवाल और भी तेज हो गए। तीसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने

कुलदीप को न खिलाने की असल वजह स्पष्ट की। मोर्कल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि टीम प्रबंधन गेंदबाजी से ज्यादा बल्लेबाजी लाइन-अप को मजबूत करने पर ध्यान दे रहा है। उनका कहना था कि टीम ने पिछले मैचों में कई बार बल्लेबाजी में जल्दी विकेट गंवाए हैं, इसलिए संतुलन बनाए रखने के लिए लंबे बल्लेबाजी क्रम की जरूरत महसूस की गई। उन्होंने माना कि कुलदीप विश्वस्तरीय गेंदबाज हैं और शानदार फॉर्म में हैं, लेकिन फिलहाल टीम संयोजन में उन्हें फिट कर पाना मुश्किल हो रहा है। गेंदबाजों के चोटिल होने के बावजूद भी कुलदीप को मौका न मिलने से यह और स्पष्ट होता है कि चयन की प्राथमिकता बल्लेबाजी गहराई है न कि गेंदबाजी गुणवत्ता। मैनचेस्टर की परिस्थितियों में जहां स्पिन को मदद मिल रही थी, कुलदीप जैसे कलाई के स्पिनर उपयोगी साबित हो सकते थे। इसके बावजूद शार्दुल ठाकुर को चुना गया, जिन्हें पूरे 135 ओवर में सिर्फ 11 ओवर ही दिए गए। साथ ही अंशुल कंबोज को डेब्यू कराना यह दिखाता है कि चयनकर्ताओं की रणनीति में कुलदीप के लिए जगह बनाना प्राथमिकता नहीं रही। मोर्कल ने स्वीकार किया कि विकेट सूखा है और स्पिन हो रही है, लेकिन उनका मानना है कि जब तक शीर्ष छह बल्लेबाजों से स्थिरता नहीं मिलती, तब तक कुलदीप जैसे विशेषज्ञ गेंदबाज को मौका देना मुश्किल रहेगा।

क्रिकेट से दूर रहकर भी करोड़ों की कमाई कर रहे हैं चहल

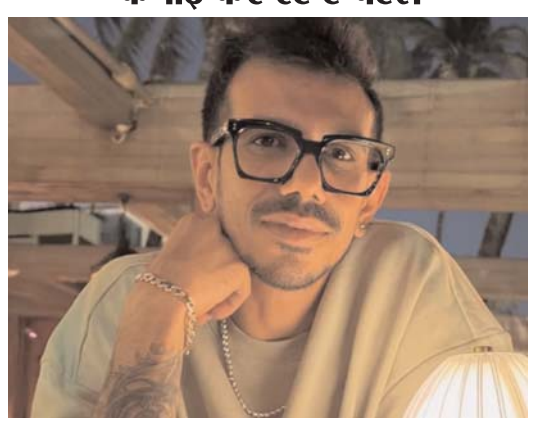

नई दिल्ली, (एजेंसी)। टीम इंडिया से लगभग दो साल से बाहर चल रहे अनुभवी लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार वजह क्रिकेट नहीं, बल्कि उनकी निजी जिंदगी है। हाल ही में चहल इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेलते नजर आए और उसके बाद वह अपनी रूमर्ड गर्लफ्रेंड आरजे महवश के साथ लंदन की सड़कों पर घूमते दिखाई दिए। दोनों की एकसाथ कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं, जिससे उनके रिश्ते की चर्चाएं और तेज हो गई हैं। क्रिकेट से दूर रहने के बावजूद चहल की कमाई में कोई कमी नहीं आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 35 वर्षीय चहल की कुल संपत्ति करीब 45 करोड़ रुपये है। वह बीसीसीआई के सालाना अनुबंध में ग्रेड सी के तहत थे, जिससे उन्हें एक करोड़ रुपये तक की सैलरी मिलती थी, हालांकि अब वह उस कॉन्ट्रैक्ट का हिस्सा नहीं हैं। फिर भी, विज्ञापन और निजी निवेशों के जरिए चहल हर महीने लाखों की कमाई कर रहे हैं। वह इनकम टैक्स विभाग में इंस्पेक्टर के पद पर भी कार्यरत हैं, जहां उनकी सैलरी करीब 44,900 से 1,42,400 रुपये मासिक मानी जाती है।

चहल का गुरुग्राम में एक आलीशान घर भी है जिसकी कीमत लगभग 25 करोड़ रुपये है। इसके अलावा उन्होंने हाई टाइम्स सॉल्यूशंस की चेकमेट सर्विस, ग्रिप फिटनेस ऐप और यूजो फैशन ब्रांड में भी निवेश कर रखा है। चहल ने 13 अगस्त 2023 को आखिरी इंटरनेशनल मैच खेला था। उन्होंने अपने करियर में 72 वनडे में 121 और 80 टी20 में 96 विकेट झटके हैं। वहीं, आईपीएल में वह अब तक 174 मैचों में 221 विकेट ले चुके हैं, जो एक रिकॉर्ड है। चहल ने आईपीएल में मुंबई इंडियंस, पंजाब किंग्स, आरसीबी और राजस्थान रॉयल्स के लिए खेला है।

पहले गेम में कोनेरू हम्पी और दिव्या के बीच भिड़ंत, 1-1 पर ड्रॉ

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिव्या देशमुख और दिग्गज कोनेरू हम्पी के बीच फिडे महिला वर्ल्ड कप का फाइनल मुकाबला खेला जा रहा है। इस दौरान शनिवार को फाइनल के पहले गेम में दिव्या ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए हम्पी को बराबरी पर रोका। विश्व रैपिड चैंपियन हम्पी का इस ड्रॉ के बावजूद पलड़ा भी होगा क्योंकि वह काले मोहरों से खेल रही थी। दो-गेम के इस मिनी मैच में क्लासिकल शतरंज नियमों के तहत दूसरे और अंतिम गेम में हम्पी सफेद मोहरों से खेलेंगी। वहीं ये मुकाबला भी अगर बराबरी पर खत्म होगा तो विजेता का निर्धारण करने के लिए कम अवधि के गेम खेले जाएंगे। शुरुआती गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला लेकिन दोनों अपने मौकों को भुनाने में सफल नहीं हुए। दिव्या पर हम्पी ने शुरुआत में दबाव बनाया लेकिन नागपुर की इस खिलाड़ी ने जल्द ही वापसी की और कम्प्यूटर के अनुसार 14वें चाल के बाद दिव्या का पलड़ा भारी था। हालांकि, हम्पी ने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए मैच पर अपनी पकड़ कमजोर नहीं होने दी। दिव्या और हम्पी के बीच फिडे महिला वर्ल्ड कप 2025 का फाइनल 26 जुलाई से शुरू हुआ। फाइनल में दो क्लासिकल गेम होंगे पहले गेम 26 को खेला गया जो कि ड्रॉ रहा। वहीं अब दूसरा गेम 27 जुलाई, रविवार को खेला जाएगा। बता दें कि, क्लासिकल फॉर्मेट में हर खिलाड़ी को पहले 40 चालों के लिए 90 मिनट मिलेंगे। जिसके बाद बाकी के गेम के लिए अतिरिक्त 30 मिनट दिए जाएंगे, जिसमें पहली चाल से 30 सेकंड को इंक्रीमेंट होगा। साथ ही अगर फिर भी क्लासिकल खेल में विजेता का फैसला नहीं होता है तो मैच टाई-ब्रेक की एक सीरीज के रूप में चलता रहेगा। सबसे पहले 10 मिनट प्लस 10 सेकंड के इंक्रीमेंट के साथ दो रैपिड गेम होंगे। इसके बाद फिर भी टाई रहता है तो 5 मिनट प्लस 3- सेकंड के इंक्रीमेंट के साथ दो पांच मिनट के गेम होंगे। ऐसे में जरूरत हो तो 3 मिनट प्लस 2- सेकंड के इंक्रीमेंट के साथ दो ब्लिट्ज गेम होंगे। बाद भी अगर मैच ड्रॉ रहता है तो खिलाड़ी तब तक 3+2 ब्लिट्ज गेम खेलना जारी रखेंगे तब तक कोई विजेता सामने नहीं आ जाता।

एशिया कप का आयोजन नौ से 28 सितंबर तक यूएई में,भारत बनाम पाकिस्तान मैच 14 और 21 सितंबर को

नई दिल्ली, (एजेंसी)। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने शनिवार को घोषणा की कि पुरुषों का एशिया कप नौ से 28 सितंबर तक संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में आयोजित किया जाएगा।पीटीआई को मिले शुरुआती कार्यक्रम के अनुसार भारत और पाकिस्तान के बीच बहुप्रतीक्षित ग्रुप चरण मैच रविवार (14 सितंबर) को दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में होगा। भारत और पाकिस्तान की टीमें एक ही ग्रुप में है और इन दोनों टीमों के अगले रविवार (21 सितंबर) को फिर से सुपर फोर मैच में आमने सामने होने की संभावना है। भारत अपने अभियान की शुरुआत 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ करेगा और उसके सभी मैच दुबई में खेले जाने

की संभावना है। भारत, पाकिस्तान, यूएई और ओमान को ग्रुप ए में रखा गया है जबकि श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और हांगकांग ग्रुप बी में हैं। एसीसी 19 मैचों के इस टूर्नामेंट के लिए 17 सदस्यीय टीम को अनुमति देगा तथा मैच दुबई तथा अबुधाबी में खेले जाएंगे। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष नकवी ने 'एक्स' पर एक औपचारिक घोषणा में बताया, '' मुझे यूएई में एसीसी पुरुष एशिया कप 2025 की तारीखों की पुष्टि करते हुए खुशी हो रही है। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट नौ से 28 सितंबर तक होगा। हम इसमें शानदार क्रिकेट देखने की उम्मीद करते हैं। इसका विस्तृत कार्यक्रम जल्द ही जारी किया जाएगा।'' एशिया कप के आयोजन स्थल का निर्णय 24 जुलाई को एसीसी की बैठक में किया गया। इस बैठक में सभी 25 सदस्य देशों ने भाग लिया था। टूर्नामेंट का मेजबान बीसीसीआई है, लेकिन इसे यूएई में आयोजित किया जा रहा है क्योंकि भारत और पाकिस्तान ने दोनों देशों के बीच मौजूदा तनाव के कारण 2027 तक केवल तटस्थ स्थानों पर प्रतिस्पर्धा करने पर पारस्परिक रूप से सहमति व्यक्त की है। एसीसी के प्रसारकों के साथ हुए समझौते के अनुसार, भारत और पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में रखा जाएगा और सुपर सिक्स चरण में भी उन्हें एक-दूसरे से भिड़ने का एक और मौका मिलेगा। दोनों टीम अगर फाइनल में पहुंचती है तो टूर्नामेंट में तीसरे मैच की भी संभावना होगी। भारत और श्रीलंका में होने वाले आगामी टी20 विश्व कप को देखते हुए एशिया कप का यह सत्र टी20 प्रारूप में आयोजित किया जाएगा।

रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव के समापन दिवस पर पर्यटन विकास के विभिन्न आयामों पर हुई चर्चा

क्षेत्र के विकास के लिये पर्यटन अधोसंरचना को मजबूत किया जाना आवश्यकः राजेन्द्र शुक्ल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिये पर्यटन अधोसंरचना को मजबूत किया जाना आवश्यक है। शिक्षा, स्वास्थ्य की सुविधाओं की पूर्ति करते हुए पर्यटन के विकास से रोजगार सृजित होंगे और विन्ध्य उन्नति के शिखर पर होगा। उप मुख्यमंत्री ने उक्त उद्गार रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव के समापन दिवस पर आयोजित प्रथम सत्र में व्यक्त किये।

कृष्णा राजकपूर आडिटोरियम में रीवा के पर्यटन में वन्य एवं हेरीटेज विषय पर आयोजित प्रथम सत्र में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में जंगल की अधिकता है। यहाँ टाइगर रिजर्व, वन्य अभयारण्य तथा राष्ट्रीय उद्यान है। रीवा का सफेद बाघ विश्व प्रसिद्ध है। उन्होंने निवेशकों का आह्वान किया कि रीवा एवं विन्ध्य में पर्यटन की अपार संभावनाओं को दृष्टिगत रख आगे आयें। शासन स्तर से विशिष्ट अनुभव व सुविधाएँ प्रदान की जा रही हैं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री ने रीजनल इन्वेस्टर कॉन्क्लेव की सफलता के बाद रीजनल पर्यटन कॉन्क्लेव का आयोजन आरंभ किया है। विन्ध्य से इसकी शुरूआत हुई है। इससे पर्यटन में वृद्धि के साथ सभी हितधारकों में जागरूकता पैदा होगी। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि ऐसी परिस्थिति तंत्र बनाना जहाँ निवेश सुरक्षित हो, प्रक्रिया सुगम हो तथा विकास समावेशी हो। शुक्ल ने कहा कि नदियों को जोड़ने से बाढ़ की संभावना नहीं रहती इस दिशा में प्रयास जारी है।

इस अवसर पर पर्यटन एवं संस्कृति राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने कहा कि प्रदेश में पर्यटन को बढ़ाने के विभिन्न प्रयास किये जा रहे हैं। हेलीसर्विस भी इस दिशा में एक कदम है। उन्होंने कहा कि प्रदेश उत्तरदायी व सुरक्षित पर्यटन में प्रथम स्थान पर है। उन्होंने कहा कि उप मुख्यमंत्री शुक्ल के नेतृत्व में विन्ध्य विकास के साथ पर्यटन की ऊंचाईओं को छुएगा। लोधी ने निवेशकों को निवेश के लिये आमंत्रित किया तथा कहा कि प्रदेश सरकार हर संभव मदद के लिये संकल्पित है। प्रमुख सचिव पर्यटन शिव शेखर शुक्ल ने कहा कि प्रदेश में पुरातत्व संरक्षित है जरूरत है कि इसे संवार कर दुनिया को दिखाया जाय। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के सभी स्तर पर कार्य हो रहे हैं। पर्यटन व संस्कृति मुख्यमंत्री के मन में बसती है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल रीवा के विकसित व व्यवस्थित करने के लिये अनेक कार्य कर रहे है आने वाले 15 वर्षों में रीवा का बेहतर से बेहतर स्वरूप देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि माँ गंगा से माँ नर्मदा तक थीम पर श्रद्धालुओं को रीवा होकर मध्यप्रदेश आने का आमंत्रण है।

रीजनल पर्यटन कान्क्लेव के समापन दिवस पर आयोजित तीन सत्रों में पूर्व मंत्री पुष्पराज सिंह भी द्वितीय सत्र में उपस्थित रहे। इस दौरान समग्र पर्यटन अनुभव विषय पर विस्तार से विचार विमर्श हुआ। इस दौरान राज्य पर्यटन विकास बोर्ड के प्रबंध संचालक डॉ. इलैयाराजा टी ने अतिथियों को पर्यटन की संभावनाओं से परिचित कराया। समापन दिवस पर आयोजित सत्रों में डेलीगेट्स राकेश माथुर, रिषी सूर्या पुरी, अतुल पाण्डेय, डॉ. अनुपम सहाय, समीर बजाज, रोहित चोपड़ा, अनिल अग्रवाल, सिद्धर्थ जोशी, गजेन्द्र सिंह, अमित दिग्विजय सिंह, महेन्द्र प्रताप सिंह तथा फिल्म कलाकार मुकेश तिवारी में अपने विचार व्यक्त किये। इस दौरान अतिरिक्त प्रबंध संचालक विदिशा मुकर्जी ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में विभिन्न प्रदेशों से आये प्रतिनिधियों ने अपने सुझाव दिये। पर्यटन मंत्री ने प्राप्त सुझावों को सूचीबद्ध करने के निर्देश दिये। इस दौरान कमिश्नर बीएस जामोद, आईजी गौरव राजपूत, डीआईजी राजेश सिंह, कलेक्टर प्रतिभा पाल, पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह, आयुक्त नगर निगम डॉ. सौरभ सोनवणे सीईओ जिला पंचायत मेहताब सिंह गुर्जर सहित प्रशासनिक अधिकारी व प्रतिभागी उपस्थित रहे।

कांग्रेस ने क्षतिग्रस्त सड़कों में धान लगाई, सितपुरा-छीन्दा मार्ग की दुर्दशा पर भाजपा सरकार और प्रशासन को घेरा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले की रैगांव विधानसभा में सोहावल ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने रविवार को एक अनोखा विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने सितपुरा-छिंदा मार्ग पर बने गड्ढों में धान की रोपाई कर अपना विरोध दर्ज कराया। खराब सड़क और प्रशासन की लापरवाही के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इस अनूठे तरीके से सरकार को जगाने का प्रयास किया। कांग्रेस नेताओं ने इसे मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार के खिलाफ जनआक्रोश की आवाज बताया।

प्रदर्शन में मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव राजभान सिंह राज, महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष गीता सिंह और सोहावल ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष प्रवीण सिंह सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। नेताओं ने बताया कि सितपुरा-छिंदा मार्ग की हालत अत्यंत खराब है। राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई बार शिकायतें करने के बावजूद प्रशासन ने कोई कार्रवाई नहीं की है।

जगह-जगह गड्ढों और कीचड़ से भरे इस मार्ग पर आवाजाही खतरनाक हो गई है। क्षेत्र में पिछले पांच वर्षों से लगातार इस समस्या के बारे में आवाज उठाई जा रही है। कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि न तो क्षेत्र की विधायक ने कोई सुध ली और न ही जिला प्रशासन ने कोई कारगर कदम उठाया। कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही सड़क मरम्मत का कार्य शुरू नहीं हुआ तो उग्र आंदोलन किया जाएगा।

डॉ नंदिता पाठक बिहार चुनाव के लिए प्रवासी कार्यकर्ता का प्रवास प्रारम्भ

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भाजपार्टी महिला मोर्चा मध्य प्रदेश की उपाध्यक्ष डॉ नंदिता पाठक बिहार चुनाव के लिए प्रवासी कार्यकर्ता के रूप में मुजफ्फरपुर के बरूराज विधानसभा के प्रभारी नाते प्रवास करेंगी। महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद माया नारोलिया ने मध्य प्रदेश की बहनों को राष्ट्रीय नेतृत्व के आग्रह पर बिहार में चुनाव गतिविधियों को गति प्रदान करने के लिए चयनित बहनों को प्रवास करने के लिए भेजा है। सभी प्रवासी बहनें प्रवास के दौरान मोदी एवं एनडीए सरकार के माध्यम से महिला सशक्तीकरण के लिए किए गए कार्यों को एवं योजनाओं को घर घर तक पहुंचाने का कार्य करेंगी।

किसानी के ऐन वक्त पर खाद के लिए परेशान हो रहे किसान : नृपेन्द्र सिंह

दोगुनी रेट में बाजार में बिक रही अमानक खाद, गुणवत्ता की कोई नहीं है गारंटी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिला किसान कांग्रेस कमेटी रीवा के अध्यक्ष नृपेन्द्र सिंह पिन्टू ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि इस समय रीवा और मऊगंज जिले का किसान खाद के लिए भटक रहा है धान की बोनी के बाद खाद नही मिलने से छिड़काव नही हो पा रहा है जिससे किसान परेशान है उसे अपनी फसल खराब होने का डर सता रहा है लेकिन किसान हितैषी होने का राग अलापने वाली भाजपा सरकार इसके लिए संवेदनशील नही है जिले का प्रशासन और शासन इन्वेस्टर्स मीट और स्वागत मे व्यस्त है होर्डिंग पोस्टर लगाए जा रहे हैं किसानों की चिन्ता किसी को नही है सेवा सहकारी समितियों मे खाद नही पहुंच रही है बात करने पर जबाब मिलता है कि रैक नही लगा आखिर रैक कब लगेगा जब फसल खराब हो जाएगी।

इस बात को किसान हित में सत्ताधारी नही उठा रहें हैं मजबूर होकर किसान दोगुने दाम पर बाजार से अमानक खाद खरीद रहा है जिसकी गुणवत्ता की कोई गारंटी नही है। बिचौलिए अमानक खाद बेंच कर किसानों को लूट रहे हैं।

इसी तरह आवारा मवेशियों की समस्या भी है। कलेक्टर मऊगंज का एक आदेश था जिसे पूर्व कलेक्टर ने जारी किया था कि जिसके भी आवारा मवेशी चिन्हित होंगे और वह खुले में पाए जाएंगे उस पर ग्राम पंचायत जुर्माना सहित वैधानिक कार्यवाही करेगी यह सभी आदेश रद्दी की टोकरी में चले गए हैं। इसका कोई क्रियान्वयन नही हुआ और न ही आगे होगा आखिर किसान कहां जाए किससे फरियाद करे किसान की याद केवल चुनाव के समय क्यो आती है सरकार को, इस विज्ञप्ति के माध्यम से जिला प्रशासन रीवा और मऊगंज से अपील है कि संवेदनशीलता दिखाते हुए किसानो को शीघ्र खाद उपलब्ध कराए साथ ही साथ आवारा मवेशियों को लेकर उचित वैधानिक कार्यवाही हेतु सम्बन्धित को निर्देशित करे। श्री सिंह ने कहा कि अगर ग्राम पंचायत को इसमें सख्त कर दिया जाए तो कुछ हद तक समस्या का निराकरण हो सकता है बशर्ते इसका पालन कड़ाई से हो, क्योकि अधिकतर आवारा मवेशी उनके होते है जो किसानी नही करते जो किसान है खेती करता है भूमि स्वामी है वह मवेशी कभी नही छोडता।

आशुतोष द्विवेदी को मिली किसान कांग्रेस उ.प्र के बुंदेलखंड प्रभारी की जिम्मेदारी

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मझगवां के किसान पुत्र आशुतोष द्विवेदी को अखिल भारतीय किसान कांग्रेस के माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र का प्रभारी नियुक्त किया गया है जिसमें द्विवेदी अपनी नियुक्ति में राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे वरिष्ठ नेता राहुल गांधी प्रियंका गांधी व किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखपाल सिंह खेरा किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व संगठन प्रभारी अखिलेश शुक्ला राज्यसभा सांसद विवेक तंखा राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. अजय उपाध्याय राष्ट्रीय सचिव निलांशु चतुर्वेदी का आभार व्यक्त किया जिसमे द्विवेदी की इस उपलब्धि पर बधाइयों का सिलसिला शुरू हो गया है आशुतोष, जिन्होंने ह्रस्ट्र से अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत की, कांग्रेस के जुझारू योद्धा के रूप में पहचाने जाते हैं संघर्षों से भरे उनके जीवन ने उन्हें मजबूत नेतृत्व का प्रतीक बनाया है मध्य प्रदेश कांग्रेस में कई महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके आशुतोष को अब पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश में बुंदेलखंड की कमान सौंपी गई है नई जिम्मेदारी पर उत्साहित आशुतोष ने कहा, कांग्रेस संगठन ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, उसे मैं पूरी निष्ठा से निभाऊंगा पार्टी की नीतियों और विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए मैं कोई कसर नहीं छोड़ूंगा आशुतोष की इस नियुक्ति से बुंदेलखंड में किसान कांग्रेस को नई ऊर्जा मिलने की उम्मीद है उनके समर्थकों में खुशी की लहर है और सोशल मीडिया पर बधाई संदेशों का तांता लग गया है यह नियुक्ति न केवल आशुतोष की मेहनत का सम्मान है, बल्कि बुंदेलखंड के किसानों की आवाज़ को और बुलंद करने का एक सुनहरा अवसर भी है।

प्रशासन के उल्लेखनीय सहयोग के लिए सीएसपी का किया सम्मान

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। केदारनाथ भक्त मंडल द्वारा 27 जुलाई रविवार को आयोजित भव्य कांवड़ यात्रा एवं भगवान महाकाल की सवारी निकाली गई यह शोभायात्रा कर नगर सिन्धी कॉलोनी का भ्रमण करते हुए सिमरिया चौक मार्ग से होते हुए जगतदेव तालाब में संपन्न हुई। इस पूरी यात्रा में जिला प्रशासन का उल्लेखनीय योगदान था प्रशासन के उल्लेखनीय सहयोग के लिए सीएसपी डी पी सिंह चौहान जी का आयोजन मंडल के पंडित अशोक शर्मा जी दिनेश मेहरचंदानी रूपेश वलेचा केशव माखीजा रविंद्र दुदानी अमित भावनानी शंकर सेनानी एवं वाधवानी ने दुपट्टा पहना कर सम्मान किया।

सर्किट चौक पर ट्रैफिक नियंत्रण की कमी से डॉक्टर की सड़क दुर्घटना में मृत्यु

आईएमए ने डॉ सोनी को दी श्रद्धांजलि

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन सतना इकाई ने अत्यंत दुख के साथ सूचित किया है कि सर्किट चौक पर ट्रैफिक प्रबंधन की स्पष्ट लापरवाही के कारण एक वरिष्ठ चिकित्सक की दुखद मृत्यु हो गई है। यह घटना स्वास्थ्य और समाज के लिए एक गंभीर चिन्तास्पद दृष्टिकोण है। आई एम ए सतना के अध्यक्ष डॉ राकेश अग्रवाल ने इस दुखद घटना पर गहरा क्षोभ व्यक्त करके हुए कहा कि विगत दिवस सर्किट चौक सतना पर ट्रैफिक नियंत्रण की असंगत व्यवस्था के कारण वरिष्ठ डॉ.?आर एन सोनी एक तेज रफ्तार बस की चपेट में आ गए।जिससे डॉक्टर को गंभीर चोटें आईं और उन्हें तत्काल सतना जिला अस्पताल लाया गया और फिर उपचार के दौरान जबलपुर में कल मृत्यु हो गई।

आईएमए सतना अपील करती है कि प्रशासन सार्वजनिक सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सुरक्षित सड़क प्रणालियाँ सुनिश्चित करें। इस दौरान अन्य चिकित्सकों एवं सतना वासियों को अनुशासनपूर्वक सड़क सुरक्षा नियमों को पालन करने की सलाह दी जाती है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन सतना डॉ आर एन सोनी के आकस्मिक निधन पर आईएमए के सभी सदस्यों ने गहरा दुख प्रकट करते हुए कहा कि उनके निधन को अपूरणीय क्षति बताते हुए कहा कि ईश्वर शोक संतृप्त परिवार को दुख सहने की शक्ति प्रदान करे।

सिन्धु विकास समिति एवं गेलानी परिवार ने कावड़ यात्रा का किया ऐतिहासिक स्वागत

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। केदारनाथ भक्त मंडल द्वारा 27 जुलाई रविवार को भव्य कांवड़ यात्रा एवं भगवान महाकाल की सवारी निकाली गई कावड़ यात्रा का सिन्धु विकास समिति के अध्यक्ष विनोद गेलानी के सानिध्य में संस्था एवं गेलानी परिवार ने गेलानी परिसर में भव्य स्वागत किया। संस्था के मंत्री संजय वाधवानी ने बताया शोभायात्रा का पुष्पवर्षा जल सेवा,एवं श्रीफल बाट कर सभी का स्वागत किया इस अवसर पर पंडित अशोक शर्मा का शाल पहनाकर ऐतिहासिक स्वागत किया गया। शोभा यात्रा में संस्था के मार्गदर्शन गोपीचंद कापड़ी विनोद गेलानी ज्ञान खटवानी घनश्याम मंघरानी संजय वाधवानी दिलीप सोनी अशोक भंभानी प्रकाश वलेचा महेश रावलानी मनीष सदानी दीपक वाधवानी केशव माखीजा अनिल मोटवानी बंसी नागदेव संतोष गेलानी रवि गेलानी भरत गेलानी गुलशन गेलानी शिवा गेलानी संजय आहूजा रूपचंद छुटानी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री ने एसडीएम हुजूर कार्यालय भवन का किया लोकार्पण

अच्छे भवन और सुविधाएं पूरी कार्यक्षमता से कार्य करने की प्रेरणा देती हैं : उप मुख्यमंत्री

रीवा को राजस्व के क्षेत्र में अव्वल बनाने में एसडीएम कार्यालय की होगी महत्वपूर्ण भूमिका

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कालेज चौराहा के समीप नवनिर्मित एसडीएम हुजूर कार्यालय भवन का लोकार्पण किया। उप मुख्यमंत्री ने विधिवत पूजा-अर्चना करके इसका लोकार्पण किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जब हमें कार्य करने के लिए अच्छा भवन और उचित सुविधाएं मिलती हैं तो हमें पूरी कार्यक्षमता से कार्य करने की प्रेरणा मिलती है। नवनिर्मित एसडीएम कार्यालय भवन संभवतरू प्रदेश में सबसे सुसज्जित एसडीएम कार्यालय है। रीवा के कलेक्ट्रेट और नवीन न्यायालय भवन को भी सबसे अनूठा बताया गया है। अब नए भवन में पटवारियों को बैठने के लिए उचित स्थान मिल रहा है। आमजनता को सरलता से पटवारी मिल जाएंगे। व्यवस्थित मीटिंग हाल में योजनाओं की प्रभावी समीक्षा होगी। रीवा को हर क्षेत्र की तरह राजस्व क्षेत्र में भी अव्वल बनाना है। इसमें एसडीएम कार्यालय हुजूर की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि नए भवन में प्रत्येक कोर्ट के बाहर प्रकरणों की सुनवाई के संबंध में भी विवरण प्रदर्शित किया जाएगा। इससे पक्षकारों और वकीलों को बड़ी सुविधा मिलेगी। हम सबका मूल उद्देश्य आमजनता की सेवा करना है। इस भवन में यदि कोई पीड़ित और परेशान आए तथा अपनी परेशानी मिटाकर मुस्कान लेकर लौटे यही सच्ची सफलता होगी। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि भवन में आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। दो बड़े मीटिंग हाल, तीन ओर से प्रवेश की सुविधा, पार्किंग तथा अन्य सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हैं। अच्छे भवन निर्माण के लिए मैं पीआईयू के अधिकारियों और निगरानी के लिए राजस्व अधिकारियों को बधाई देता हूं।

कार्यक्रम में अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी ने कहा कि उप मुख्यमंत्री रीवा के सतत विकास के लिए प्रयासरत हैं। यह कार्यालय भी आपके प्रयासों का ही परिणाम है। मध्यप्रदेश में कहीं भी इतना व्यवस्थित और आधुनिक एसडीएम कार्यालय नहीं है। यह आफिस पूरे प्रदेश के लिए रोल माडल बनेगा। एसडीएम हुजूर वैशाली जैन ने कार्यक्रम में कहा कि नवीन भवन में आमजनता के लिए मीटिंग रूम, पटवारियों के लिए कक्ष तथा डिजिटल नकल की भी सुविधा दी जा रही है। शासन के निर्देशों के अनुसार यहाँ एक अगस्त से चार राजस्व अधिकारी दिनभर केवल राजस्व प्रकरणों की सुनवाई करेंगे। अधीक्षण यंत्री लोक निर्माण पीआईयू वर्मा ने बताया कि नवीन भवन का निर्माण सात करोड़ 82 लाख 8 हजार रुपए की लागत से किया गया है। इसमें तीन तलों में कुल 36 हजार वर्गफिट स्थान उपलब्ध है। कार्यक्रम में पूर्व महापौर वीरेन्द्र गुप्ता, राजेश पाण्डेय, तहसीलदार शिवशंकर शुक्ला, नायब तहसीलदार विन्ध्या मिश्रा, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।